मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 227, मुंबई, शुक्रवार, 22 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

सरकार बनाने पर शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी में...

सहमति

अब मलाईदार मंत्रालयों पर नजर

कांग्रेस नई सरकार में तीनों दलों के बीच बराबर-बराबर (14-14-14) विभाग बांटे जाने की बात कर रही है। शुक्रवार को मुंबई में शिवसेना के साथ होने वाली बैठक में इस मुद्दे को उठाया जा सकता है।

कांग्रेस स्पीकर, वित्त, ग्रामीण विकास, रेवेन्यू मंत्रालय चाहती है

शिवसेना की शहरी विकास, पीडब्लूडी, गृह, शिक्षा मंत्रालय की मांग

मुंबई। महाराष्ट्र में अगले कुछ दिनों में शिवसेना, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के बीच गठबंधन सरकार बनने की संभावना दिख रही है। हालांकि सूत्र बताते हैं कि इन दलों के बीच विभागों को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है। कांग्रेस नई सरकार में तीनों दलों के बीच बराबर-बराबर (14-14-14) विभाग बांटे जाने की बात कर रही है। शुक्रवार को मुंबई में शिवसेना के साथ होने वाली बैठक में इस मुद्दे को उठाया जा सकता है। साथ ही एनसीपी की ओर से रोटेशनल मुख्यमंत्री पद के लिए किसी तरह का कोई मुद्दा नहीं उठाया गया है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

निरूपम बोले- भागीदारी करना, पार्टी को दफनाने के समान

कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने राज्य में शिवसेना के साथ सरकार गठन को लेकर पार्टी को सावधानी बरतने को कहा है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के साथ गठबंधन में तीसरे स्थान पर भागीदारी करना कांग्रेस पार्टी को दफनाने के समान है।

शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा- सरकार बनाने की प्रक्रिया 1 दिसंबर से पहले पूरी हो जाएगी

शिवसेना विधायक की धमकी

हम विधायक फोड़ने की कोशिश करने वालों के सिर फोड़ देंगे

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ सरकार गठन को लेकर कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के बीच बातचीत जारी है। कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने गुरुवार को बताया कि सरकार गठन को लेकर दोनों दलों के बीच वार्ता पूरी हो गई है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

शिवसेना के विधायक अब्दुल सत्तार ने धमकी भरे लहजे में कहा है कि कोई भी शिवसेना के विधायक को फोड़ने की कोशिश करेगा तो हम उनका सिर फोड़ देंगे।

कश्मीर में आतंकियों की 6 संपत्तियां जब्त

3 जिलों में 7 आतंकियों के नाम थी प्रॉपर्टी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टेरर फंडिंग केस में कार्रवाई करते हुए, कश्मीर में आतंकवादियों से संबंधित 6 संपत्तियां जब्त कर ली हैं। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन के सरगना सैयद सलाउद्दीन के खिलाफ टेरर फाइनेंसिंग का केस चल रहा है। ईडी ने मार्च में भी मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत 13 संपत्तियां जब्त की थीं। जब्त की गई संपत्तियों की कीमत करीब 1.22 करोड़ रुपए है। ईडी ने कहा- यह संपत्तियां कश्मीर के अनंतनाग, बांदीपोरा और बारामुला जिलों में स्थित हैं। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में टूटी दोस्ती, झारखंड में बीजेपी की राह मुश्किल करेगी शिवसेना

मुंबई। महाराष्ट्र में बीजेपी को सत्ता से दूर रखने के लिए एनसीपी-कांग्रेस से गठबंधन कर सरकार बनाने के लिए प्रयासरत शिवसेना झारखंड विधानसभा चुनाव में 15 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करने जा रही है। शिवसेना ने वहां 6 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान भी कर दिया है। शिवसेना झारखंड में किसी भी दल से गठबंधन न करते हुए अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

महाराष्ट्र में सत्ता के शीर्ष पद के लिए गठबंधन से अलग हुई शिवसेना झारखंड में बीजेपी उम्मीदवारों के वोट काट सकती है। हालांकि शिवसेना इसे अपनी पार्टी के विस्तार का प्रयास बता रही है। शिवसेना के राष्ट्रीय संगठक विनय शुक्ला ने बताया कि शिवसेना इससे पहले बिहार, उत्तर प्रदेश, गोवा, गुजरात और मध्य प्रदेश विधानसभा

चुनाव अपने दम पर लड़ चुकी है।

विनय शुक्ला ने कहा कि इन राज्यों में शिवसेना को काफी वोट हासिल हुए थे। बिहार विधानसभा चुनाव में शिवसेना कई सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों की हार का कारण बनी थी। इसको देखते हुए पार्टी ने झारखंड विधानसभा चुनाव में भी अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पहले ही कह चुके हैं कि पार्टी को महाराष्ट्र से बाहर अन्य राज्यों में विस्तार करने के लिए चुनाव लड़ना चाहिए।

शिवसेना नेता ने बताया कि पार्टी ने चुनाव में कैंडिडेट तय करने, रणनीति बनाने और चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी स्थानीय नेताओं को सौंपी है। बता दें कि झारखंड में बीजेपी की सरकार है। मुख्यमंत्री रघुबर दास ने राज्य में बीजेपी सरकार की वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक शिवसेना के कारण बीजेपी को हिंदूवादी वोटों का नुकसान उठाना पड़ सकता है। बीजेपी के हिंदुत्व के अजेंडे पर शिवसेना का कट्टर हिंदुत्व भारी पड़ सकता है।

शिवसेना ने मुख्यमंत्री रघुबर दास की राह मुश्किल करने के लिए जमशेदपुर पूर्व विधानसभा सीट पर गोल्डी तिवारी को मैदान उतारा है। इसके अलावा बाघमारा सीट पर सुरन रवानी, सिमडेगा सीट पर अरुण बृजेश बड़ाईक, मनोहरपुर सीट पर ऋतुराज सिंह, मांडर सीट पर एतवा लोहरा और बगोदरा सीट पर अभय कुमार को उम्मीदवार बनाया है। शुक्ला ने बताया कि जल्द ही अन्य सीटों पर भी उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

संक्षिप्त खबर

ठाणे में मिल रहा 10 रुपये में भरपेट खाना

मुंबई। कांग्रेस-राकांपा के साथ सरकार बनाने के चक्कर में शिवसेना भले ही 10 रुपये में भरपेट भोजन का वादा भूल गई हो, लेकिन ठाणे में एनजीओ ने इस योजना को साकार रूप दे दिया है। यहां के खारटन रोड इलाके में 10 रुपये में भरपेट भोजन देना शुरू कर दिया गया है। शुरूआती दिनों में ही यहां रोजाना करीब 400 लोग खाना खाने लगे हैं। ठाणे के खारटन रोड क्षेत्र में गरीब व मजदूर वर्ग के लोग रहते हैं। कभी-कभी इन्हें भरपेट भोजन नसीब नहीं होता। इनकी हालत देखकर दिनेश मेहरोल और सुनील चेटोले ने अपने ब्रदर्स ग्रुप के साथियों के साथ मिलकर कुछ पैसा जमा किया और फिर उन्होंने भरपेट भोजन योजना शुरू की। खारटन रोड के गरीबों और मजदूरों के लिए 10 रुपये में भोजन किसी तोहफे से कम नहीं है। योजना को अंजाम देने वाले ये लोग बताते हैं कि उन्होंने कई बार इस बारे में सोचा और फिर हमने लोगों को सस्ते दर पर खाना उपलब्ध कराने का फैसला किया। वे कहते हैं कि समाज के गरीबों के भले के लिए हमने यह योजना शुरू की है। अगर कोई मदद के लिए आगे आया तो हम जरूर सहयोग लेंगे, वरना हम अपने पैसों से ही इसे चलाने की कोशिश करेंगे। हम बस गरीबों को कम कीमत पर पौष्टिक और भरपेट भोजन उपलब्ध कराना चाहते हैं।

सफाईकर्मी से रेप, ब्लैकमेलिंग के आरोप में बीएमसी कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई। दिंडोशी पुलिस ने रिपोर्ट कार्ड खराब कर देने के आड़ में 25 वर्षीय एक महिला सफाईकर्मी के साथ बलात्कार करने के आरोप में महानगर पालिका के कर्मचारी को चारकोप स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि उसके काम का रिपोर्ट कार्ड खराब करने की धमकी देकर आरोपी गया प्रसाद उसके साथ पिछले 4 साल से बलात्कार कर रहा था।

उसकी शादी हो जाने के बाद भी आरोपी उसके निजी पलों की तस्वीरों को वायरल करने की धमकी देता था और उसे शादी तोड़ लेने का दबाव बनाता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी गया प्रसाद महानगर पालिका में मुकादम के पद गोरेगांव (पश्चिम) स्थित संतोष नगर में कार्यरत है। उसी जगह पर महिला सफाईकर्मी भी काम करती है। महिला ने मुकादम के खिलाफ शिर्डी और घोडबंदर में बलात्कार और अंतरंग क्षणों के फोटो और विडियो बनाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में दिंडोशी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376, 328, 354, 501, 404, 506 एवं आईटी ऐक्ट 67 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मेट्रो ने माहिम की दूसरी इमारत में डालीं दरारें!

मुंबई। कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो 3 के मार्ग की एक और इमारत में दरारें पड़ गई हैं। कुछ ही दिन के फासले पर दूसरी इमारत में दरारें पड़ने से इलाके के रहिवासियों और दुकानदारों के माथे पर चिंता की लकीरें देखी जा सकती हैं। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टटफउछ) ने इमारत में सपोर्ट लगाकर जांच करने का एक और झुनझुना थमा दिया है। साथ ही इस इमारत को खाली करा लिया गया है। 10 नवंबर को जब पहली इमारत में दरारें आई थीं, तब एमएमआरसीएल ने उसका स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया था। ऑडिट पूरा हो जाने के बाद भी एमएमआरसीएल ने अब तक जांच रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया। यह बात भी स्थानीय निवासियों को परेशान कर रही है।

कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज मेट्रो 3 का 33 किलोमीटर लंबा भूमिगत मार्ग है। यह मेट्रो मार्ग सड़कों, इमारतों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के नीचे से गुजर रहा है। 10 दिन के भीतर माहिम की दो इमारतों में दरारें आ जाने से यह मामला गंभीर लग रहा है। बीते रविवार को माहिम की मैहर मंजिल में दरारें आ गईं। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी एमएमआरसीएल को दी।

बीएमसी के बड़े अस्पतालों में नियुक्त सीईओ, और बेहतर होगी व्यवस्था

मुंबई। बीएमसी के प्रमुख अस्पतालों केईएम, लोकमान्य तिलक, कूपर, नायर और नायर डेंटल अस्पतालों के लिए आखिरकार सीईओ की नियुक्ति कर दी है। बीएमसी कमिश्नर प्रवीण परदेशी ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। फिलहाल इन अस्पतालों की जिम्मेदारी वॉर्ड ऑफिसरों को दी गई है। नए सीईओ के लिए जारी प्रक्रिया पूरी होने तक इन्हें अस्पताल का काम देखना है।

केईएम और लोकमान्य तिलक (सायन) अस्पताल का जिम्मा किरण दिघावकर को सौंपा गया है। कूपर अस्पताल की जिम्मेदारी प्रशांत सपकाले को दी गई है। नायर और नायर डेंटल अस्पताल की जिम्मेदारी देवीदास क्षीरसागर को दी गई है। वॉर्ड ऑफिसर की जिम्मेदारी के साथ यह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी इन्हें निभानी होगी। ये अफसर सीधे डीन के संयोजन में काम करेंगे।

अस्पताल के प्रशासकीय कामकाज की पूरी जिम्मेदारी इन्हीं की होगी। इसके अलावा, सामान्य सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल काम भी इन्हें ही कराने होंगे। संबंधित विभाग के अधिकारी इन्हें सीधे रिपोर्ट करेंगे। अस्पताल में सीईओ की नियुक्ति से डीन पर केवल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चिकित्सकीय सुविधाओं की जिम्मेदारी होगी। अन्य कार्यों से उन्हें मुक्ति मिल जाएगी। अस्पतालों में साफ-सफाई में कमी से लेकर अन्य तमाम शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि सीईओ की नियुक्ति से यह समस्याएं काफी हद तक हल हो जाएंगी।

शिवसेना विधायकों को गोवा ले जाने की तैयारी

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार बनाने में दिल्ली से नित नए-नए दांव-पेंच की खबरें आने से शिवसेना चौकन्नी हो गई है। उन्हें अपने विधायकों के टूटने का खतरा सताने लगा है। इसलिए शिवसेना एक बार फिर अपने विधायकों को एक स्थान पर रखने जा रही है। बताया जा रहा है कि शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे शुक्रवार की दोपहर अपने सभी विधायकों को लेकर गोवा चले जाएंगे।

शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को पार्टी के सभी विधायकों को आदेश दिया गया कि शुक्रवार की दोपहर 12 बजे से पहले मातोश्री पहुंच जाएं। उन्हें पांच-सात दिन तक रुकने की व्यवस्था के साथ आने को कहा गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को उद्धव ठाकरे अपने विधायकों को संबोधित करेंगे।

मुंबई का पहला 'होम सिस्टम' ऑटो, ताकि पैसेंजर रहे हैपी

मुंबई। अकसर लोग ऑटो चलाने वालों के बर्ताव से खुश नजर नहीं आते लेकिन मुंबई में एक ऐसा ऑटो वाला है जो अपने पैसेंजर को हर मुमकिन सुविधा देना चाहता है। सत्यवान गिते नाम के इस ऑटो ड्राइवर का दावा है कि उसका ऑटो मुंबई का पहला 'होम सिस्टम' ऑटो रिक्शा है। 'होम सिस्टम' मतलब घर जैसी सुविधा वाला ऑटो रिक्शा। सत्यवान कहते हैं, 'मेरे ऑटो रिक्शा में आपको घरों की पूरी फसिलटी मिलेगी। स्मार्ट फोन चार्जिंग, हैंड वॉश, प्यूरीफाइड पानी वगैरह सबकुछ।' यह वास्तव में हैरान करने वाला है कि ऑटो की सीमित जगह में उन्होंने इन सब चीजों के अलावा वॉश बेसिन, खूबसूरत पौधे, पेपर टिशू, डेस्कटॉप मॉनिटर वगैरह लगा रखे हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

महाराष्ट्रः बड़ा सवाल, एनसीपी के साथ मुख्यमंत्री पद साझा करेगी शिवसेना?

मुंबई। महाराष्ट्र में 24 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद से जारी राजनीतिक गतिरोध अब खत्म होता नजर आ रहा है। बुधवार को एनसीपी और कांग्रेस के नेताओं के बीच काफी देर तक चली बैठक के बाद जल्द ही राज्य में सरकार बनाने का ऐलान किया गया। माना जा रहा है कि अब एनसीपी अगले दो दिनों तक शिवसेना के साथ बातचीत करेगी। इस दौरान एनसीपी मुख्यमंत्री पद 2.5-2.5 साल के बीच बांटने पर जोर दे सकती है। उधर, सूत्रों के मुताबिक एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना के बीच गठबंधन में एक बड़ा पेच 'हिंदुत्व' बनाम 'सेकुलर' को लेकर भी फंसा हुआ था जिसे अब सुलझा लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक सरकार बनाने को लेकर अगले दो दिनों तक चलने वाली बातचीत में एनसीपी अब शिवसेना के साथ मुख्यमंत्री पद बांटने के लिए मोलभाव पर ज्यादा जोर देगी। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिवसेना मोलभाव की एनसीपी की ताजा कोशिशों पर किस हद तक सहमत होती है। बता दें कि एनसीपी ने विधानसभा

चुनाव में शिवसेना से मात्र दो सीटें कम जीती हैं। एनसीपी के 54 और शिवसेना के 56 विधायक हैं।

एनसीपी-कांग्रेस और शिवसेना की एक 'समन्वय समिति' भी काम कर रही है जो गठबंधन को अंतिम रूप दे सकती है। यही समिति हिंदुत्व जैसे कठिन मुद्दों का भी हल निकाल सकती है। अगले दो दिनों तक चलने वाली इस बातचीत में ही एनसीपी-कांग्रेस और शिवसेना के बीच मंत्रालयों के बंटवारे पर भी चर्चा की जाएगी। बता दें कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के घर पर दो दौर की बातचीत के बाद सरकार बनाने का ऐलान किया गया।

दिल्ली में मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि राज्य में एक स्थिर सरकार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारे बीच सकारात्मक बात हुई है। राज्य में राष्ट्रपति शासन हटाने की जरूरत है। इसके अलावा एनसीपी लीडर नवाब मलिक ने कहा कि राज्य में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी के बिना स्थिर सरकार नहीं बन सकती है। दोनों नेताओं के बयानों से माना जा रहा है कि कांग्रेस ने शिवसेना के साथ गठबंधन को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

बताया जा रहा है कि कॉमन मिनिमम प्रोग्राम को लेकर शिवसेना-एनसीपी और कांग्रेस के बीच पेच फंसा हुआ था। तीनों के गठबंधन के लिए बातचीत करने वाले नेताओं के बीच 'सेकुलर' और 'हिंदुत्व' ताकतों को एक मंच पर लाना बड़ी चुनौती था। कांग्रेस-एनसीपी चाहती थीं कि 'सेकुलरिज्म' को गठबंधन का आधार बनाया जाय वहीं शिवसेना हिंदुत्व को छोड़ने को तैयार नहीं थी। सूत्रों के मुताबिक इस गतिरोध का समाधान करते हुए इस बात पर जोर दिया गया कि सरकार 'संविधान की आत्मा' के मुताबिक काम करेगी।

बीएमसी के अस्पताल कंगाल, मरीज बेहाल

मुंबई। देश की सबसे बड़ी और अमीर महानगरपालिका बीएमसी के अस्पतालों की स्थिति बदतर हो चुकी है। पता चला है कि इन अस्पतालों में क्रीम, सिरप, केमिकल, पट्टी, सिरिंज और ब्लड बैग जैसी चिकित्सकीय सामग्री तक नहीं हैं। इनके टेंडर खत्म हो चुके हैं। बता दें कि बीएमसी के स्वास्थ्य विभाग का बजट 3,703 करोड़ रुपये है, लेकिन इसका लाभ अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। एनबीटी लंबे समय से बीएमसी के अस्पतालों की लापरवाही और अनियमितताओं का खुलासा करता रहा है।

अस्पतालों में दवाओं के जरूरी, लेकिन कम स्टॉक से किसी तरह काम चलाया जा रहा है। टेंडर प्रक्रिया में लगने वाले समय को देखते हुए अगले दो-तीन महीनों तक यही स्थिति बनी रहने की संभावना है। इसके वजह से मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मजबूरी में आस-पास के स्टोरों से दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं।

दवाएं खरीदने की प्रक्रिया फाइलों में

बीएमसी अस्पतालों में 12 प्रकार की शेड्यूल सामग्री की आपूर्ति की जाती है। इनमें से छह तरह की सामग्री के टेंडर खत्म हो चुके हैं। सितंबर से नवंबर तक टेंडर समाप्त होने के बावजूद अब तक इनकी खरीदी की प्रक्रिया फाइलों में ही है। कई सामग्री खरीदने की तो प्रक्रिया भी शुरू नहीं हुई है। स्थायी समिति से टेंडर को मंजूरी मिलने के बाद भी 45 दिन का समय ठेकेदार को आपूर्ति के लिए दिया जाता है। जाहिर तौर पर अस्पतालों में सामग्री पहुंचने में करीब तीन महीने का समय लग सकता है।

'अधिकारियों की जेब से ली जाए रकम'

स्वास्थ्य समिति चेयरमैन अमेय घोले ने अस्पतालों में आवश्यक व्यवस्था की कमी के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, 'इसका समाधान तुरंत किया जाना चाहिए। जिस तरह से गड्ढे न भरने पर अधिकारियों को रकम देने का निर्देश दिया गया था, उसी तरह समय पर दवाओं की खरीदारी न करने वाले अधिकारियों की जेब से रकम ली जानी चाहिए।' एनसीपी नगरसेविका डॉ. सईदा खान ने कहा, 'आखिर अस्पताल खोले क्यों हैं? यह मामला स्तब्ध कर देने वाला है।'

सड़क प्रॉजेक्ट के नाम पर साढ़े 3 करोड़ की ठगी

मुंबई। सड़क प्रॉजेक्ट के नाम पर जुहू के एक व्यापारी से 3.65 करोड़ रुपये की ठगी के आरोप में बांद्रा क्राइम ब्रांच ने तरविंद सिंह सबरवाल नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीनियर इंस्पेक्टर महेश देसाई की टीम इस केस की पिछले कई सप्ताह से जांच कर रही थी।

क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार, तरविंद की शिकायतकर्ता से मुंबई के किसी गुरुदारे में कुछ महीने पहले मुलाकात हुई थी। बाद में दोनों की मुंबई में कई और जगह भी मीटिंग्स हुईं। उसी दौरान आरोपी ने दावा किया कि उसने मुंबई में अलग-अलग जगह कई लाख रुपये का डोनेशन दिया हुआ है। उसने यह भी बताया कि उसकी सरकार में टॉप स्तर पर कई अधिकारियों से दोस्ती है। शिकायतकर्ता उससे बहुत प्रभावित हो गया। कुछ पखवाड़े पहले उसने आरोपी को अपने घर चाय पीने के लिए बुला लिया।

सामना में लेख- महाराष्ट्र में किसी भी क्षण सरकार, राउत का ट्वीट- हम बुरे ही ठीक

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर चल रहा सस्पेंस खत्म होने के आसार प्रबल हो गए हैं। जहां एक ओर एनसीपी और कांग्रेस के बीच लंबी बैठक के बाद सरकार का रास्ता साफ दिख रहा है, वहीं शिवसेना की तरफ से भी इसके संकेत दिए जा रहे हैं। पार्टी के मुखपत्र सामना के एक लेख में कहा गया है कि महाराष्ट्र में किसी भी पल सरकार बन सकती है। वहीं, शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने ट्वीट करते हुए इशारों में बीजेपी पर हमला बोला है।

सामना के लेख में कहा गया है, 'महाराष्ट्र में पिछले 21 दिनों से चल रही अस्थिरता जल्द समाप्त होगी। किसी भी क्षण राज्य में सरकार बनाई जा सकती है। शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस ये तीनों दल एक साथ मिलकर स्थिर व मजबूत सरकार देंगे, ऐसा विश्वास कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन के नेताओं ने दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जताया।' इस लेख में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के दिल्ली स्थित आवास 6 जनपथ पर कांग्रेस-एनसीपी नेताओं की बैठक का भी जिक्र किया गया है।

इस बीच शिवसेना के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एक बार फिर बीजेपी पर हमला बोला है। राउत ने ट्वीट करते हुए कहा, 'हम बुरे ही ठीक हैं, जब अच्छे थे तब कौन सा मेडल मिल गया था।' इससे पहले राउत ने बुधवार को भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता ट्वीट करते हुए लिखा, 'आहुति बाकी, यज्ञ अधूरा, अपनों के विघ्नों ने घेरा, अंतिम जय का वज्र बनाने, नव दधीचि हड्डियां गलाएं। आओ फिर से दीया जलाएं।'

22 से केंद्रीय टीम लेगी फसल नुकसान का जायजा

मुंबई। बेमौसम की मार झेल रहे किसानों की हालत जानने के लिए एक केंद्रीय टीम 22 नवंबर से राज्य का तीन दिवसीय दौरा करेगी। राज्य सरकार ने किसानों की मदद के लिए केंद्र सरकार से सहायता के तौर पर अब तक 7207.79 करोड़ रुपये की मांग की है।

इस साल मॉनसून ने जाते-जाते किसानों का बड़ा नुकसान किया है। प्राथमिक तौर पर 94,53,139 हेक्टेयर में लगी फसल बर्बाद हुई है, जबकि प्रभावित किसानों का आंकड़ा एक करोड़ हेक्टेयर से अधिक है। सबसे अधिक नुकसान सोयाबीन एवं कपास की फसल को हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'केंद्र से पांच सदस्यीय टीम बेमौसम बरसात से हुए फसल के नुकसान के आकलन के लिए तीन दिन तक महाराष्ट्र का दौरा करेगी और केंद्र को अपनी रिपोर्ट देने से पहले किसानों से भी बातचीत करेगी।'

राज्य के किसानों की समस्याओं को लेकर बुधवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। किसानों के फसलों को हुए नुकसान और राज्य में बढ़ते कृषि संकट के मद्देनजर पवार ने पीएम से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने पीएम को तीन पेज का एक ज्ञापन दिया, जिसमें लिखा है कि नासिक जिले में सोयाबीन, धान, मक्का, बाजरा और टमाटर, प्याज जैसी सब्जियों की फसलें अंतिम चरण में थीं, लेकिन बेमौसम भारी बारिश से पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 महीनों में नासिक के 44 किसानों ने आत्महत्या की है।

2024 तक हर घर में नल का पानी

मुंबई। राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बावजूद विकास कार्य प्रभावित नहीं होंगे। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना को पूरा करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों ने अच्छा काम किया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 तक हर घर में नल द्वारा पीने का स्वच्छ पानी पहुंचाने की योजना शुरू की है। राज्य में इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए सबको मिल कर काम करना होगा। हमें उम्मीद है कि तय समय सीमा के भीतर हम अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल रहेंगे।

गौरतलब है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में गर्मी के दिनों में पीने के पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ता है। लोगों को पानी के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। यह योजना लागू होने से ग्रामीण इलाकों के रहवासियों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले तीन वर्षों में 4.50 लाख घर बनाने का लक्ष्य रखा गया था। उसमें से 3.66 लाख घरों का निर्माण हो चुका है। इसी तरह आदिवासी विभाग की तरफ से मंजूर विभिन्न योजनाओं के तहत बड़े पैमाने पर घरों का निर्माण हुआ है।

राज्यपाल कोश्यारी ने कहा कि देश में गरीब और मजदूरों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई योजनाएं शुरू की हैं, जिसमें बैंक खाते शुरू करना भी शामिल है। इस योजना के तहत देश में 30 करोड़ नए बैंक खाते खोले गए। प्रत्येक घर में शौचालय हो इस पर तेजी से काम हो रहा है। इसी योजना के तहत महाराष्ट्र खुले में शौचालय से मुक्त हो गया है। प्रत्येक घर में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य पूरा करने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। बुधवार को आवास दिवस के अवसर पर यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने यह बातें कही।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

प्रदूषण पर राजनीति

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रऔर देश के अन्य शहरों के नागरिक इन दिनों जारी भीषण वायु प्रदूषण के प्रकोप से त्रस्त हैं, लेकिन ऐसे जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे पर भी सांसद राजनीति करने का अवसर तलाश लेते हैं, जो बेहद चिंतनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। बीते मंगलवार को लोक सभा में नियम 193 के तहत प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पर चर्चा हुई। इतनी गंभीर चर्चा के दौरान केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के सांसद प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी की सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कटाक्ष किया कि 'पांच साल पहले केवल केजरीवाल अकेले खांसते थे, आज पूरी दिल्ली खांस रही है'। जाहिर है कि उनके इस कथन से पूरी बहस आम आदमी पार्टी की सरकार पर केंद्रित होकर अगंभीर हो गई। फिर पूरे देश के नागरिकों के स्वास्य से जुड़ी समस्या पर लोक सभा में होने वाली चर्चा के दौरान सदन में सांसदों की उपस्थिति भी बहुत कम रही। ताज्जुब की बात तो यह है कि वायु प्रदूषण से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित है, लेकिन दिल्ली से निर्वाचित सात सांसदों में से केवल तीन सांसद ही सदन में उपस्थित थे। यह स्थिति तब है जब पिछले दिनों प्रदूषण से जुड़ी समिति की बैठक में पूर्वी दिल्ली से भाजपा के सांसद गौतम गंभीर के शामिल न होने पर उनकी काफी आलोचना हुई थी। लेकिन संतोष की बात है कि सदन में हुई चर्चा के बीच से कुछ सकारात्मक बातें भी निकल कर आई। सत्ता पक्ष और विपक्ष के विभिन्न दलों के सांसद किसानों के पक्ष में खड़े दिखाई दिए। कांग्रेस के मनीष तिवारी, बीजद के पिनाकी मिश्रा और भाजपा के प्रवेश वर्मा, मनोज तिवारी और गौतम गंभीर ने कहा कि किसानों द्वारा पराली जलाने से बहुत कम प्रदूषण फैलता है, जबकि वाहन और अनियमित उद्योग वायु प्रदूषण के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। दरअसल, कुछ पर्यावरणविद् और दिल्ली में सत्तारूढ़ आप की सरकार पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जलने वाली पराली को प्रदूषण के लिए जिम्मेदार मानती है। मगर सिर्फ पराली जलाने से ही दिल्ली-एनसीआर की हवा प्रदूषित नहीं है। प्रदूषण के लिए जिम्मेदार चाहे जो भी कारक हो, अगर सत्ता पक्ष और विपक्ष इस मसले पर राजनीति से ऊपर उठकर देश के पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करें तो बीजिंग की तरह हमारे देश की हवा भी साफ हो सकती है। इसके लिए मोदी सरकार को स्वच्छता की तरह स्वच्छ हवा अभियान चलाने की जरूरत है।

कोर्ट से न्याय की उम्मीद

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने कुछ अहम फैसले सुनाए। साथ ही, सबरीमला मंदिर में 5 से 50 की उम्र की औरतों के प्रवेश के फैसले को पुनः समीक्षा के लिए सात जजों की बेंच को सौंपने का निर्देश दिया। पिछली बेंच ने 3-2 के बहुमत से औरतों के मंदिर में प्रवेश के हक में फैसला दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अन्य मामले जैसे की औरतों का मस्जिद प्रवेश, पारसी औरतों का उनके धार्मिक स्थल में प्रवेश, बोहरा औरतों का एफजीएम इत्यादि सभी याचिकाओं में धार्मिक भावना का प्रश्न होने से इन सभी मामलों में अतिरिक्त गौर करना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के इस रवैये से हमारे लोकतंत्र एवं भारतीय समाज के बारे में गंभीर सवाल उठ खड़े होते हैं।वैसे तो देश का संविधान सभी नागरिकों को समानता और न्याय देता है। आर्टिकिल 13, 14 में विशेष रूप से औरतों के न्याय एवं लिंग भेदभाव के खिलाफ धाराएं साफ हैं। साथ ही, धर्मनिरपेक्ष देश में सभी नागरिकों को अनुच्छेद 24, 25 के तहत धर्म स्वातंत्र्य दिया गया है। यह अधिकार सभी को यानी कि महिला नागरिक हो या पुरु ष, दोनों को सामान रूप से दिया गया है। यह अधिकार हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी- यानी कि सभी धर्मो के नागरिकों को दिया गया है।

दुःख इस बात का है कि हमारे देश में मजहब या धर्म के नाम पर औरतों के प्रति अन्याय और भेदभाव का चलन चला आ रहा है। पुरु षवादी समाज ने धर्म को औरत के खिलाफ एक ऐसा हथियार बना दिया है, जो मन-मर्जी से उपयोग में लाया जा सकता है। दुःख इस बात का है कि हमारे देश में विभिन्न समाजों में पुरु ष-प्रधानता के चलते मदरे ने अपने आपको औरतों से उच्चतर मान कर सदियों से कई रीति-रिवाज बना रखे हैं। यही वजह है कि हाजी अली दरगाह हो या शनि मंदिर, सबरीमाला हो या पारसी टावर ऑफ साइलेंस, औरतों के प्रवेश पर मनमानी पाबंदियां लगाई जाती रही हैं। देश भर में सारे ही मजहब में धर्म से जुडी हर बात पर पुरु षों का कब्जा है। मंदिर, मस्जिद, गिरिजा एवं और धार्मिक स्थानों का कारोबार चलाने वाले ट्रस्ट या संस्थानों में पुरु षों का वर्चस्व होता है। यदि कोई महिला सभ्य भी हो तो उसकी आवाज में ज्यादा ताकत नहीं होती। फिर धर्मगुरु हों या मौलवी, पादरी हो या पंडित- धार्मिक वर्ग के करता-हरता पुरु ष ही होते हैं। हालांकि धरती पर जन्म मां देती है, लेकिन सभी धर्मों में ईर की परिकल्पना नर के रूप में है। इन हालात में हर धर्म में औरत का दरजा पुरु ष की तुलना में दोयम दरजे का ही होना स्वाभाविक है। कोर्ट और कानून से समाज की बंदिशों से आम लोगों को निजात मिल सकती है, और मिलती आई है। सती प्रथा, दहेज

प्रथा, पत्नी की मार-पीट, बूढ़े मां-बाप से दुर्व्यवहार इत्यादि सभी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ देश में कानून है। धर्म के नाम पर औरतों से भेदभाव करने वाले समाज को यदि सुप्रीम कोर्ट भी नहीं सुधार सकता तो फिर देश की महिला नागरिक न्याय के लिए कहां जाएं? सरकारों से इस मामले में उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि राजनीतिक पार्टियों की निगाह हमेशा वोट पर रहती है।

ताकतवर धार्मिक स्थापित हितों को सरकारें कभी चुनौती नहीं देतीं। दूसरी ओर, पितृसत्तात्मक सोच वाले धर्मगुरु या धर्मो के मठाधीश पुरु ष वर्ग से तो उम्मीद वैसे भी नहीं की जा सकती। ऐसे हालात में न्याय और समानता की संविधानिक धाराएं और भेदभाव से संरक्षण देते अनुच्छेद काला अक्षर मात्र बना के रख दिए जाते हैं। क्या यहां वाकई में बात मजहब की है, या मजहब की आड़ में पुरुष वर्चस्व को आगे किया जा रहा है? यह तो सब मानते हैं कि ईर या अल्लाह या भगवान या गॉड ने सृष्टि बनाई और इस सृष्टि में मानव प्रजाति एवं अन्य जीव बनाए। ईर या सर्जनहार ने भेदभाव नहीं किया। नर और मादा दोनों बराबर को बनाया। चलते चलते विश्व भर में समाजों ने औरत को घर की चारदीवारी में कैद करना शुरू किया। पुरुषों एवं राज्य संस्थानों तथा पुरु षवादी धार्मिक संस्थानों ने मिलकर औरत का स्थान तय किया। औरत की भूमिका की सीमाएं तय कीं। औरत को घर में, समाज में, देश में-हर क्षेत्र में भेदभाव की नजर से देखा गया। और धर्म पर तो जैसे की पुरुष ने पैदाइशी कब्जा जमा लिया। औरत के शरीर और जैविक हकीकतों के आधार पर औरत को अशुद्ध या नापाक घोषित कर दिया गया। फिर धर्मगुरु तो पुरु ष ही हो सकता है। फिर औरतों को मंदिर-मस्जिद-गिरिजाघर में सीमित प्रवेश ही मिल सकता है। धर्म के नाम पर औरत विरोधी किस्से कहानियां, विधियां, रस्म-ओ-रिवाज, दस्तूर, चलन इत्यादि खूब प्रचलित हुए। यह हाल दुनिया के सभी धर्मो का है। अगर 21वीं सदी के इंटरनेट युग में भी यह ही पैमाना चलता रहे और संविधान की तौहीन हो तो क्या सुप्रीम कोर्ट खामोश रह सकता है?

यह बात सही है कि धर्मनिरपेक्षता संविधान का बुनियादी उसूल है, और इस नाते सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि उसे धार्मिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। मुझे मूलतः इस उसूल से आपत्ति नहीं है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कई धार्मिक मामलों में फैसले सुनाए हैं। दुःख इस बात का है कि जब औरतों के सामान हकों की बात आती है, तो संविधान के बावजूद और धर्म स्वतंत्र के अधिकार के बावजूद कुछ न कुछ अड़चन खड़ी हो जाती है। अगर एसेंशियल प्रैक्टिस के नाम पर लगातार औरत के साथ अन्याय होता रहे तो कोर्ट की क्या भूमिका होनी चाहिए? अगर औरत की रूह या अंतरात्मा उसे कह रही हो कि मैं हाजी अली मजार में जाकर ज्यारत पढ़ना चाहती हूं, या शनि मंदिर के गर्भगृह में जाकर पूजा करना चाहती हूं तो उसे प्रवेश न देना क्या उसके धार्मिक अधिकार का हनन नहीं होगा? फिर किसी पुरुष के धार्मिक अधिकार से यदि लगातार औरत के अधिकार की अवहेलना होती रहे तो क्या यह सही है? साफ जाहिर है कि मदरे ने अपनी सोच के मुताबिक ईर या अल्लाह को ढाल दिया है। अपनी सोच के मुताबिक ईर की परिकल्पना कर रखी है। जाहिर सी बात है कि यह मामला धर्म का कम है, और पुरु ष-प्रधानता का ज्यादा। कई औरतें घर में पूजा-प्रार्थना-इबादत करके संतुष्ट हैं, लेकिन सभी धर्मो की कुछ औरतों ने इस अन्याय के खिलाफ कानूनी एवं सामाजिक मुहिम छेड़ रखी है। कानून बदलेगा तो धीरे-धीरे समाज भी बदलेगा। आज हमारे देश में सती प्रथा या विधवा उत्पीड़न या तीन तलाक पर पाबंदी है। कोर्ट से यही उम्मीद है कि वह न्याय करके देश को बेहतर बनाने में योगदान दे।

सांस

मुझे इस बात का बहुत आश्चय होता है कि कैसे, सांस-जो इतनी स्पष्ट गतिविधि है, जो चुपचाप भी नहीं होती, सारे शरीर को हिलाती है, उसके बारे में अधिकतर लोगों को कोई खबर ही नहीं होती, उनको कुछ पता ही नहीं चलता। अगर आप को अपनी सांस का पता नहीं चलता तो उससे ज्यादा सूक्ष्म बात का कैसे पता चलेगा? हां, प्रकृति के साथ होना, प्राकृतिक वातावरण में होना अच्छा है पर ये ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि अधिक स्पष्ट बातों जैसे सांस लेना, खाना, पीना, चलना, किसी चीज को छूना, महसूस करना आदि पर अच्छी तरह से ध्यान दें। बाहर जाकर बैठने की अपेक्षा, अगर आप इन बातों के प्रति ज्यादा जागरूक होंगे तो ये बेहतर होगा और आप देखेंगे कि आपके जीवन का अनुभव एक दूसरे ही स्तर पर, कहीं ऊंचे स्तर पर पहुंच जाएगा। अधिकतर मनुष्य इन सरल, सामान्य बातों की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देते।

वे जो खाते या पीते हैं, उसे बस निगल जाते हैं, वे बिल्कुल बेहोशी में सांस लेते हैं। वे हर किसी चीज को बस ऐसे ही छूते हैं, बिना यह जाने कि वे किसे छू रहे हैं, महसूस कर रहे हैं? ये अधिकांश लोगों के साथ ऐसा ही होता है, लेकिन आप अपने काम में कटौती किये बिना भी इन बातों के प्रति काफी ज्यादा जागरूक हो सकते हैं, और ये चीज महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि लोगों को लगता है कि अगर आप को अपनी सांस के प्रति जागरूक होना है, उस पर ज्यादा ध्यान देना है तो आप उस समय कुछ और नहीं कर सकते, बस स्थिर बैठ कर सांस लेनी होगी। पर ऐसा नहीं है। मानव जीवन की सुंदरता ये है कि हमारे मस्तिष्क के पास ये योग्यता है कि हम अपने अंदर जटिल गतिविधियां करते हुए भी दूसरी तरफ ध्यान दे सकते हैं जैसे कि ड्राइविंग करते समय आप किसी के साथ बातचीत कर सकते हैं- एक ही समय पर आप दो बातों पर ध्यान दे रहे तो आप जो कुछ भी कर रहे हैं वो करते समय, साथ ही साथ, अपनी सांस पर भी ध्यान दे सकते हैं। सांस की प्रक्रिया ऐसी है जो हर समय हो ही रही है, इसलिए आप उस पर ध्यान दे सकते हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
22 नवंबर, 2019

यशराज फिल्म्स के खिलाफ एफआईआर

100 करोड़ की रॉयल्टी गलत ढंग से जुटाने का आरोप

मुंबई। नामचीन फिल्म प्रोडक्शन हाउस यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के खिलाफ मुंबई पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर संगीतकार, गीतकार और संगीत निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले इंडियन परफॉर्मिंग राइट सोसाइटी (आईपीआरएस) की शिकायत पर दर्ज हुआ है। आईपीआरएस ने यशराज फिल्म्स पर अनधिकृत रूप से अपने सदस्यों की संगीत रॉयल्टी में से करीब 100 करोड़ रुपए जुटाने का आरोप लगाया गया है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दायर एफआईआर में आईपीआरएस ने यह भी आरोप लगाया कि वाईआरएफ ने कलाकारों पर दबाल डालकर अवैध समझौतों पर हस्ताक्षर करवाया और दूरसंचार कंपनियों, रेडियो स्टेशनों और संगीत स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से रॉयल्टी इकट्ठा करने से रोका है। आईपीआरएस का यह भी आरोप है कि 100 करोड़ रुपए तो असल आंकड़े का सिर्फ एक छोटा हिस्सा प्रतीत होता है।

आदित्य चोपड़ा और उदय चोपड़ा का नाम भी शामिल: एफआईआर में वाईआरएफ के निदेशक आदित्य चोपड़ा और उदय चोपड़ा का नाम भी शामिल है। फिलहाल, इस पूरे मामले में यशराज फिल्म्स का पक्ष अभी तक सामने नहीं आया है।

किताब न लाने पर टीचर ने छात्र से करवाया उठक-बैठक, तबियत खराब होने पर दर्ज हुआ केस

पुणे। यहां किताब न लाने पर स्कूल टीचर द्वारा 10वीं के छात्र का उत्पीड़न किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित छात्र के पास केवल एक किडनी है। किताब न लाने की वजह से टीचर के कहने पर स्कूल में तैनात बाउंसर ने उससे उठक-बैठक कराई, जिसके बाद उसके पेट में गंभीर दर्द उठने लगा। छात्र के माता-पिता ने टीचर और बाउंसर के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। छात्र की मां ने बताया कि जब उनका बेटा घर आया तब उसके पेट में तेज दर्द था। वह अपनी हिंदी की किताब स्कूल ले जाना भूल गया था। इसके लिए पहले तो उसे क्लास से बाहर खड़े होने के लिए कहा गया, फिर बाउंसर ने उससे 100 सिट-अप्स लगाने को कहा। उन्होंने कहा कि 93 सिट-अप्स लगाने के बाद उनके बेटे ने पेट में दर्द होने की बात कही लेकिन बाउंसर ने उसकी नहीं सुनी और उसे उठक-बैठक फिर से शुरू करने के लिए कहा। छात्र की मां ने बताया कि वह प्रिंसिपल से मिलने स्कूल भी गई थीं लेकिन वहां उन्हें बताया गया कि वह मंगलवार को आएं। उन्होंने स्कूल पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। स्कूल की प्रिंसिपल अलकनंदा सेनगुप्ता से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पीड़ित छात्र को सिर्फ 15-20 बार उठक-बैठक कराया गया था।

बेमौसमी बारिश की मार झेल रहे किसानों का हाल जानने 22 नवंबर से तीन दिवसीय दौरे पर आ रही केंद्रीय टीम

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी राष्ट्रपति शासन के बीच बेमौसमी बारिश की मार झेल रहे किसानों के हाल को जानने के लिए एक केंद्रीय टीम 22 नवंबर से राज्य का तीन दिवसीय दौरा करेगी। राज्य सरकार ने किसानों की मदद के लिए केंद्र सरकार से सहायता के तौर पर अब तक 7207.79 करोड़ रुपये की मांग की है। इस साल मॉनसून ने जाते-जाते किसानों का बड़ा नुकसान किया है। प्राथमिक तौर पर 94,53,139 हेक्टेयर में लगी फसल बर्बाद हुई है, जबकि प्रभावित किसानों का आंकड़ा एक करोड़ हेक्टेयर से अधिक है। सबसे अधिक नुकसान सोयाबीन एवं कपास की फसल को हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'केंद्र से पांच सदस्यीय टीम बेमौसम बरसात से हुए फसल के नुकसान के आकलन के लिए तीन दिन तक महाराष्ट्र का दौरा करेगी और केंद्र को अपनी रिपोर्ट देने से पहले किसानों से भी बातचीत करेगी।

पवार ने पीएम से की मुलाकात: राज्य के किसानों की समस्याओं को लेकर बुधवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। किसानों के फसलों को हुए नुकसान और राज्य में बढ़ते कृषि संकट के मद्देनजर पवार ने पीएम से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने पीएम को तीन पेज का एक ज्ञापन दिया, जिसमें लिखा है कि नासिक जिले में सोयाबीन, धान, मक्का, बाजरा और टमाटर, प्याज जैसी सब्जियों की फसलें अंतिम चरण में थीं, लेकिन बेमौसम भारी बारिश से पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 महीनों में नासिक के 44 किसानों ने आत्महत्या की है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सरकार बनाने पर शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी में सहमति

शिवसेना शहरी विकास, पीडब्लूडी, गृह, शिक्षा (हायर टेक्निकल, मेडिकल और स्कूल) और ग्रामीण विकास मंत्रालय चाहती है। एनसीपी को स्पीकर, गृह, वित्त, पीडब्लूडी, जल संसाधन और ग्रामीण विकास मंत्रालय चाहिए। कांग्रेस स्पीकर, वित्त, ग्रामीण विकास और रेवेन्यू जैसे मंत्रालय चाहती है। एनसीपी ने रोटेशनल सीएम पद के लिए अब तक कोई मांग नहीं रखी है। कांग्रेस ने एनसीपी से इसके लिए कहा है लेकिन एनसीपी इस पर चुप्पी साधे हुए है। शुक्रवार की बैठक में इस पर फैसला हो सकता है। कांग्रेस पार्टी शहरी विकास मंत्रालय भी अपने पास रखना चाहती है। बता दें, कांग्रेस कार्यकारिणी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक गुरुवार को हुई, जिसमें शिवसेना के साथ महाराष्ट्र में गठबंधन के मुद्दे पर चर्चा हुई। सीडब्ल्यूसी ने शिवसेना संग गठबंधन को हरी झंडी दे दी है। कार्यकारिणी की बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव के।सी। वेणुगोपाल ने कहा, हमने सीडब्ल्यूसी को महाराष्ट्र की हालिया राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि एनसीपी से बात चल रही है। कांग्रेस-एनसीपी के बीच बुधवार को पांच घंटे की लंबी बैठक चली थी, जो लगभग आधी रात खत्म हुई थी और उसके बाद फोन पर शिवसेना के साथ एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर सहमति बनी थी। बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी के सरकार बनाने में असफल होने के बाद 12 नवंबर से महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लागू है। दिल्ली में महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर बुधवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार के आवास पर कांग्रेस और राकांपा नेताओं के बीच करीब 3 घंटे बैठक चली। इसके बाद कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चह्वाण ने कहा, कांग्रेस-राकांपा के बीच लंबी और सकारात्मक बातचीत हुई। मुझे उम्मीद है कि हम लोग जल्द ही राज्य में एक स्थिर सरकार बनाने में सफल होंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस और राकांपा नेता गुरुवार को फिर से अपने-अपने नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद हम दोपहर में मिलेंगे और सारी शर्तों को पूरा करेंगे। इसके बाद 22 नवंबर को महाराष्ट्र के तमाम नेताओं से मुंबई में मुलाकात करेंगे। बैठक में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, के. सी. वेणुगोपाल, अहमद पटेल, जयराम रमेश और नसीम खान ने हिस्सा लिया। वहीं, राकांपा की तरफ से शरद पवार, सुप्रिया सुले, अजित पवार और सुनील तटकरे समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

शिवसेना विधायक की धमकी

दोनों के बीच सभी मसलों पर आम राय बन चुकी है लेकिन इस बीच शिवसेना के विधायक अब्दुल सत्तार ने धमकी भरे लहजे में कहा है कि कोई भी शिवसेना के विधायक को फोड़ने की कोशिश करेगा तो हम उनका सिर फोड़ देंगे। कांग्रेस कार्यकारिणी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक गुरुवार को हुई, जिसमें शिवसेना के साथ महाराष्ट्र में गठबंधन के मुद्दे पर चर्चा हुई। सीडब्ल्यूसी ने शिवसेना संग गठबंधन को हरी झंडी दे दी है। कार्यकारिणी की बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव के।सी। वेणुगोपाल ने कहा, हमने सीडब्ल्यूसी को महाराष्ट्र की हालिया राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि एनसीपी से बात चल रही है। एनसीपी के नवाब मलिक कह चुके हैं कि इन तीनों में से कोई भी एक पार्टी सरकार बना सकती है। सत्ता का फामूर्ला 16:15:12 है, जिसके अनुसार मंत्रिमंडल में शिवसेना के 16, एनसीपी के 15 और विधानसभा अध्यक्ष के पद के साथ कांग्रेस के 12 मंत्री होंगे। मुख्यमंत्री पद ढाई साल के लिए शिवसेना और बाकी के बचे वर्षों के लिए एनसीपी के पास रहेगा।

कश्मीर में आतंकियों की 6 संपत्तियां जब्त

ये संपत्तियां हिजबुल मुजाहिद्दीन के 7 आतंकियों के नाम पर हैं। इन आतंकियों के नाम मोहम्मद शफी शाह, तालिब लाली, गुलाम नबी खान, जफर हुसैन भट, अब्दुल मजीद सोफी, नजर अहमद डार और मंजूर अहमद डार हैं। इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोग हिजबुल मुजाहिद्दीन के लिए ही काम कर रहे थे। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक कुछ और संपत्तियों को भी जल्दी ही जब्त कर कब्जा लिया जाएगा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हिजबुल सरगना सैयद सलाउद्दीन और दूसरे आतंकियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियों की रोकथाम के लिए बने कानून (यूएपीए) के तहत चार्जशीट पेश की थी। इसके बाद ईडी ने इनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था।

शिवसेना रोकेगी मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट?

सीएमपी में बुलेट ट्रेन की फंडिंग रोकने का जिक्र

महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी के बीच चर्चा जारी है। तीनों पार्टियां कॉमन मिनिमम प्रोग्राम पर मंथन कर रही हैं। इसमें किसानों के लिए बड़ा ऐलान शामिल किया जा सकता है। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से बुलेट ट्रेन के लिए दी जाने वाली राशि का उपयोग किसानों की कर्जमाफी में किया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो कॉमन मिनिमम प्रोग्राम में तीनों पार्टियों के बीच इस मुद्दे पर मंथन चल रहा है। बता दें कि बुलेट ट्रेन प्रोग्राम में राज्य सरकारों की तरफ से भी पैसा दिया जाना है, इसमें जो महाराष्ट्र का हिस्सा है उसे रोक दिया जाएगा। महाराष्ट्र का इस फंड में 25 फीसदी का हिस्सा है। आपको बता दें कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक माना जाता है। देश की पहली बुलेट ट्रेन

अहमदाबाद से मुंबई के लिए चलाई जाएगी। ये ट्रेन जापान की मदद से तैयार की जा रही है, लोकसभा चुनाव के पहले पीएम मोदी और जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने इस प्रोजेक्ट की नींव रखी थी। शिवसेना की ओर से सीएमपी पर चर्चा विस्तार से की जा रही है। शिवसेना की ओर से गठबंधन को म्युनिसिपल कारपोरेशन के लेवल तक ले जाने की कोशिश हो रही है। मुंबई, ठाणे, नासिक और कल्याण-डोंबिवली में बीजेपी-शिवसेना का कब्जा है, जिनपर अब मौजूदा राजनीतिक हालात का असर पड़ सकता है। अब शिवसेना कल्याण-डोंबिवली में मेयर का पद छोड़ने को तैयार नहीं है, जबकि पहले तय हुआ था कि 4 साल के बाद शिवसेना पद छोड़ेगी और बीजेपी एक साल के लिए इस पद को रखेगी। दिल्ली में कांग्रेस और एनसीपी के बीच लगातार बैठक चल रही है। दोनों पार्टियां अलग-अलग बैठक कर रही है, जिसके बाद दोपहर को फाइनल राउंड की बात होनी है। इसी के बाद कांग्रेस और एनसीपी मुंबई में शुक्रवार को शिवसेना के साथ फाइनल बातचीत करेगी। शिवसेना नेता संजय राउत ने भी दावा किया है कि शुक्रवार तक महाराष्ट्र में सरकार गठन पर फैसला हो जाएगा और दिसंबर के पहले हफ्ते में सरकार बन भी जाएगी।

बेटो को रास नहीं आ रहे है बूढ़े माँ-बाप

कुछ दिनों से वाट्स अप पर एक लघु कथा वाइरल हो रही है जिसका संक्षिप्त यह है कि एक बेटा माँ को घूमाने के बहाने से ले जाकर एक वृद्धाश्रम में छोड़ देता है। जब बेटा वहाँ से वापस जाने लगता है तो माँ उसे बुला कर कहती है कि तुमने मुझे घूमाने के बहाने से लाकर वृद्धाश्रम में छोड़ दिया इस बात का गम नहीं है मैं तो तुम्हें केवल एक बात कहना चाहती हूँ कि मैंने तेरा जन्म के पूर्व पाँच लड़कियों की भ्रण हत्या कारवाई थी तब तुमको जन्मा था। आज शायद उसी पाप की सजा मुझे मिल रही है।

अशोक भाटिया

तो ऐसे तो कई किस्से सुनने को या देखने को मिलते है कि लोग अपने माता झ पिता को वृद्धावस्था के समय वृद्धाश्रम में छोड़ देते है, पर हाल ही एक ऐसे कलयुगी बेटे का समाचार मिला है जिसने अपनी माँ को वृद्धाश्रम के बजाय मुंबई की सड़कों पर मरने के लिए छोड़ दिया।

उदाहरण और घटनाए और भी है। एक बूढ़ी मां को दिल्ली के एक गुरुद्वारे में इसलिए शरण लेनी पड़ी क्योंकि उस बूढ़ी मां को उसके अपने बेटे ने जंगल में छोड़ दिया। बेटे ने अपनी मां को हरिद्वार ले जाने के बहाने घर से अपने साथ लिया और मोदीनगर के पास जंगल में उसे अकेला छोड़कर चला गया। इस वृध्दा को न तो ठीक से दिखाई देता है और न ही उसके पास घर का पूरा पता वगैरह है कि वह किसी के सहारे अपने घर लौट सके। किसी ने उसे भटकते हुए पाया तो गुरुद्वारे तक पहुंचाया। आज व्यक्ति अपनी सुख सुविधाएं जुटाने में इतना मशगूल है कि उसकी रात की नींद और दिन का चैन गायब है। प्रतिस्पर्धा में वह सबसे आगे रहना चाहता है। हर व्यक्ति को, उसके परिवार को वह सब कुछ चाहिए, जो दूसरों के पास है। जो इतना जुटा चुके हैं, वे गुलछर्रे उड़ा रहे हैं, अय्यासी कर रहे हैं, मौजमस्ती में लुटा रहे हैं। जिनके पास लुटाने के लिए नहीं है, वे जुटाने में लगे हैं। इन प्रयासों में माता-पिता की घर में उपस्थिति बाधक बनती है। आदमी को लगता है कि मां-बाप के कारण वह काफी बंधा हुआ है। पति पत्नी और बच्चों की स्वच्छंदता में वे बूढे माता-पिता कहीं रोड़े बन रहे हैं। घर में आते-जाते उनका टोकना उन्हें नहीं भाता। अनेक घरों में बूढे लोग जिंदा लाश के समान हैं। मर तो सकते नहीं, क्योंकि मरना भी आसान नहीं है, जिंदा केवल शरीर है। मन मर चुका है, भावनाएं दबी पड़ी हैं, ममता मरने को मजबूर है, स्नेह सूख रहा है। बूढ़े लोगों की उपयोगिता घर की रखवाली तक सीमित रह गई है। कहीं-कहीं पर वृध्दजनों का औपचारिक ध्यान रखा जाता है क्योंकि पुश्तैनी प्रापर्टी उनके मालिकाना हक में होती है तो उन्हें खुश रखना जरूरी होता है। किसी बुजुर्ग के पास नकदी या आभूषणों से भरी कोई संदूक (पुराने जमाने में ऐसे ही संपत्ति सहेज कर रखी जाती थी) है तो उसको खुशी-खुशी पाने की ललक में भी बुजुर्ग की देखभाल की जाती है। हालांकि आजकल तो ऐसा होना जोखिम भरा काम भी हो गया है। कुछ सिरफिरी संतानें तो बूढ़ों के मरने का इंतजार करने के बजाय प्रापर्टी जल्दी पाने के चक्कर में उन्हें ठिकाने तक लगा देते हैं।

ऐसा नहीं है कि बूढे-अशक्त मां-बाप के हक की सुरक्षा के लिए कानून नहीं है परन्तु या तो ऐसे कानूनों से लोग, खासकर वृध्द लोग अनभिज्ञ हैं या फिर कोर्ट कचहरियों में चक्कर लगाने की असमर्थता के चलते प्रताड़ित होते हुए भी वृद्ध जन शिकायत नहीं करते। इससे भी ज्यादा, अपनी संतान के प्रति मोह के चलते बूढ़े मां-बाप कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते। वे अपने परिचितों, रिश्तेदारों के समक्ष तो अपना दुखड़ा रो देते हैं परन्तु अदालतों या पुलिस का दरवाजा नहीं खटखटाते। उन्हें लगता है कि 'ज्यादा गई, थोड़ी रही', क्यों अपनी ही संतान को अदालत में घसीटें। इसलिए सब कुछ सहते रहते हैं।

राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज साहेब के 50वें जन्मोत्सव परमोत्सव के प्रारंभ पर, अर्हम युवा सेवा ग्रुप द्वारा, परम प्रयास के अंतरगण, द्वितिय मेगा प्रोजेक्ट अर्हम प्रयास वर्कशॉप को लांच किया गया

राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज साहेब के 50वें जन्मोत्सव परमोत्सव के प्रारंभ पर, अर्हम युवा सेवा ग्रुप द्वारा, परम प्रयास के अंतरगण, द्वितिय मेगा प्रोजेक्ट अर्हम प्रयास वर्कशॉप को लांच किया गया। इस अनोखे वर्कशॉप में अर्थिक दृष्टि से अभाग्रस्त लोगों को अलग अलग प्रकार के हुनर सिखाये जायेंगे और उन्हें उसी क्षेत्र में घर बैठे-बैठे आमदनी कमाने के अवसर भी दिये जायेंगे। पहले वर्कशॉप का आयोजन AYSG और ITEEHA फाउंडेशन के सहयोग से पारसधाम घाटकोपर में हुआ। 60+ लोगों को TYE AND DYE इस हुनर की अलग-अलग टेक्निक सिखाई गई और उन्होंने इस टेक्निक से बैग भी बनाई। घाटाकोपर के एमएलए श्री परागभाई शाह ने उपस्थित रहकर इस प्रोजेक्ट को अपना सहकार दिया। वर्कशॉप के बाद इन लोगों में अन्नदान किट का वितरण भी किया गया। समस्त मुंबई में 50+ वर्कशॉप कंन्डक्ट किये जायेंगे जिनके द्वारा 500 से भी अधिक अभावग्रस्त परिवारों को आर्थिक रुप से स्वतंत्र बनाने का प्रयत्न किया जायेगा।

लता मंगेशकर स्टूडियो में फिल्म 'गैंग्स ऑफ बिहार' का म्यूजिकल मुहूर्त

क्राइम की दुनिया के बीच पनपते प्रेम की रोमांचक गाथा है फिल्म 'गैंग्स ऑफ बिहार'

बिहार देश का ऐसा राज्य रहा है जिसकी चर्चा वहां मौजूद बाहुबलियों और गैंग्स को लेकर अधिक होती रहती है। क्राइम की दुनिया के कई नाम ऐसे रहे हैं जिनके जिक्र भर से वहां के लोग सहम जाते थे। अपराध की दुनिया और राजनीति में ऊंचे रसूख रखने वाले भी यहाँ सुखिंयों मे रहते हैं। वहां के ऐसे गैंग्स सदा पुलिस और सरकार के लिए चैलेन्ज रहे हैं। ऐसे ही गैंग्स और क्राइम वर्ल्ड के अन्धकार भरे माहौल को अब बड़े परदे पर पेश करने जा रहे हैं लेखक निर्देशक कुमार नीरज अपनी अपकमिंग फिल्म 'गैंग्स ऑफ बिहार' के जरिये।

दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म से जुड़े कई लोगों का सम्बन्ध बिहार राज्य से है इसी लिए इस फिल्म से उम्मीद है कि यह एक रीयलिस्टिक सिनेमा बनेगा। 'गैंग्स ऑफ बिहार' के निर्देशक कुमार नीरज बिहार के वैशाली जिला के हैं, वैशाली

बेहद प्राचीन शहर है, जिसका महात्मा बुद्ध से निकट का सम्बंध रहा है। वहीं इस फिल्म के संगीतकार अफरोज खान का ताल्लुक बिहार के जहानाबाद जिला से है और साथ ही बिहार के प्रमुख पत्रकार श्रीकांत प्रतुश भी इस फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहे हैं। पिछले दिनों मुंबई स्थित लता मंगेश्कर स्टूडियो में इस फिल्म गैंग्स ऑफ बिहार का म्यूज़िकल मुहूर्त किया गया। संगीतकार अफरोज खान ने 'हम दिल दे चुके सनम' फेम सिंगर मोहम्मद सलामत की आवाज में एक गीत रिकॉर्ड किया। निमार्ता मोहम्मद शफीक सैफी, लेखक निर्देशक कुमार नीरज की यह फिल्म ए ए ए एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई जा रही है। इस फिल्म में मुकेश तिवारी, अखिलेंद्र मिश्रा, राजवीर सिंह, नाजनीन पटनी, श्रीकांत प्रतुश, अंजलि अग्रवाल, मृत्युंजय कुशवाहा, धनञ्जय सिंह, सुप्रिया,रचना सोनी और नवनीत कुमार नजर आयेंगे। इस फिल्म की कहानी एक तरफ क्राइम से सुलगते बिहार की है तो दूसरी तरफ उसी बिहार राज्य में मोहब्बत की आगोश में झूम रहे दो प्रेमियों की है। फिल्म की कहानी में काफी टर्न और ट्विस्ट हैं जो दर्शको को दिलचस्प लगेगा। क्राइम, बदला, राजनीति, दहशत के साए में पनपते प्यार की एक रोमांचक गाथा दर्शकों के लिए किसी सुनहरे उपहार से कम नहीं होगी। उलेखनीय है कि निर्देशक कुमार नीरज टीवी धारावाहिकों में बतौर डायरेक्टर काफी काम कर चुके हैं और इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

लाला लाजपतराय कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब ने 'स्पॉर्ट्स फिएस्टा' और 'लिटरेचर फेस्ट' का आयोजन किया

संवाददाता

१९ नवंबर, २०१९ को लाला लाजपतराय कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब ने 'स्पॉर्ट्स फिएस्टा' और 'लिटरेचर फेस्ट' का आयोजन किया था। १९ नवंबर, २०१९ की सुबह, लाला लाजपतराय कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब के रोटारैक्टर्स द्वारा उत्साह को देखा गया, क्योंकि उन्होंने विशेष रूप से 'स्पेशली एबीएल बच्चों' के लिए मेगा पहल अस्तित्व एक पहचान २०१९ के तहत खेल पर्व का आयोजन किया था। ९:०० बजे 'लाल मैदान आग्रीपदा' के बैनर तले छात्र अंजा स्पेशल स्कूल, क्षितिज, एस. पी. जे. साधना स्कूल फोर डेफ (औरेड) के लिए आदर्श शिक्षा के भागीदार थे। छात्रों और अभिभावकों के बीच बहुत रुचि देखी गई। वे सभी बड़ी संख्या में इकट्ठे हुए और खेल कार्यक्रम के बारे में बताया गया। शॉटपुट, रनिंग, बोरी दौड़, बाधा दौड़ और नींबू और चम्मच दौड़ जैसी कई खेल गतिविधियां थीं। अंत में, एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था। इस्कॉन मंदिर द्वारा दिन के लिए भोजन बक्से प्रदान किए गए थे। यह बहुत उत्साह का दिन था और हम सभी ने भरपूर आनंद लिया। खेल उत्सव ने यह भी बताया कि 'कुछ भी असंभव नहीं है'।

फारूक अब्दुल्ला राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत नजरबंद

रक्षा मामलों की संसदीय समिति में शामिल नामों पर विवाद जारी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली इस अहम समिति में जम्मू-कश्मीर के नजरबंद नेता फारूक अब्दुल्ला को शामिल किया गया है। फारूक राज्य से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से ही नजरबंद हैं। नजरबंदी के चलते वह संसद के शीतकालीन सत्र में भी शामिल नहीं हो सके। इससे पहले, 21 सदस्यों वाली इस अहम सूची भोपाल की सांसद साध्वी प्रज्ञा को समिति में शामिल करने पर विपक्षी दलों ने कई सवाल उठाए थे। प्रज्ञा मालेगांव बम धमाकों की आरोपी हैं। संसद के शीतकालीन सत्र से फारूक की अनुपस्थिति को लेकर कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष ने सदन में हंगामा भी किया था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण कहा, तो कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने संसद आने को उनका अधिकार बताया। नजरबंदी के चलते, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री दिल्ली नहीं पहुंच सके थे। 5 अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, मेहबूबा मुफ्ती, सज्जाद लोन सहित कई नेताओं को हिरासत में रखा गया है। इन नेताओं को हाल ही में श्रीनगर के एक बड़े होटल से सरकारी इमारत में भेजा गया है। अक्सर विवादों में रहने वालीं भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर को भी रक्षा मामलों की संसदीय समिति में शामिल किया गया है। कांग्रेस ने इस मामले से संबंधित एक खबर को ट्वीट करते हुए भाजपा पर तंज किया, आखिरकार मोदी जी ने प्रज्ञा ठाकुर को दिल से माफ कर ही दिया! आतंकी हमले की आरोपी को रक्षा मंत्रालय की समिति में जगह देना उन वीर जवानों का अपमान है, जो आतंकवादियों से देश को महफूज रखते हैं। प्रज्ञा ने महात्मा गांधी की हत्या के दोषी नाथूराम गोडसे को देशभक्त बताया था। इस बयान को लेकर प्रज्ञा की आलोचना हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि इस बयान के लिए मैं उन्हें (प्रज्ञा ठाकुर) कभी भी दिल से माफ नहीं कर पाऊंगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पानी पर राजनीतिः दिल्ली में केजरीवाल से सवाल करते पोस्टर दिखे

नई दिल्ली। दिल्ली का पानी जहरीला है या नहीं, इसपर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पानी की जांच से पहले अब दिल्ली की सड़कों पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पोस्टर देखे गए हैं। इसमें उनसे पानी से संबंधित सवाल पूछे गए हैं। ये पोस्टर लगाए किसने हैं, यह फिलहाल साफ नहीं है। केजरीवाल सरकार के खिलाफ पोस्टर आईटीओ पर देखे गए। पूछा गया है कि अगर दिल्ली का पानी साफ है तो पिछले चार सालों में डायरिया (दस्त) और हैजे के रोगी बढ़ क्यों गए हैं। पोस्टर में दिल्ली जल बोर्ड के चेयरमैन यानी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से सवाल पूछा जा रहा है।

आज दोपहर 1 बजे बजे दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष मनोज तिवारी 500 जगहों से एकत्र किया हुआ पीने का पानी लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पहुंच रहे हैं। उनके साथ दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय भी मौजूद रहेंगे।

लिखा है, 'दिल्ली जल बोर्ड के चेयरमैन को

जवाब देना चाहिए कि अगर पानी साफ है तो पिछले चार सालों में डायरिया के 21,88,253 केस क्यों सामने आए।' आगे लिखा है, 'हॉस्पिटल्स में हैजे के 19,283 केस सामने आए। इस वक्त में ही पानी से संबंधित 36,426 शिकायतें सामने आईं।' दिल्ली में ऐसे ही पोस्टर पहले भी देखे गए थे। उसमें दिल्ली सरकार पर लोगों को जहरीला पानी पीने पर विवश करने का आरोप लगा था।

दिल्ली में पानी की गुणवत्ता को लेकर राजनीतिक लड़ाई तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने संयुक्त जांच टीम में दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष को नामित करने पर सीएम अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है, वहीं अब केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि पानी की गुणवत्ता जांच में जिस नमूने का इस्तेमाल किया गया, उनमें से एक पासवान की पार्टी पदाधिकारी के घर का था। 16 नवंबर को पासवान ने बीआईएस की रिपोर्ट जारी की थी जिसके अनुसार भारत के 21 प्रमुख शहरों में से दिल्ली में पेयजल की स्थिति सर्वाधिक असुरक्षित थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि दिल्ली में लिए गए पानी के नमूने 28 में से 19 मानकों पर खरे नहीं उतरे थे। केजरीवाल ने सोमवार को केंद्रीय मंत्रियों पर ओछी राजनीति करने और लोगों को डराने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली के पानी की गुणवत्ता केवल 11 मानकों पर नहीं जांची जा सकती। दिल्ली जल बोर्ड ने सोमवार को कहा था कि एक जनवरी से 24 सितंबर तक उसने 1,55,302 नमूने एकत्रित किए थे जिनमें से केवल 2,222 नमूने ही परीक्षण में विफल हुए थे।

सड़क हादसे में चली गई जान, शव को घंटे भर रौंदती रहीं गाड़ियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बंथरा इलाके के मोहान रोड पर बुधवार तड़के सड़क हादसे के शिकार दो युवकों के शव को गाड़ियां घंटेभर तक रौंदती रहीं, लेकिन पुलिस नहीं पहुंची। सुबह स्थानीय लोग हंगामा करने लगे तब जाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को हटवाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ गया और वह लोग सड़क जाम करके प्रदर्शन करने लगे।

मामले की जानकारी पाकर एसडीएम और सीओ मौके पर पहुंचे। अफसरों ने पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद दिलवाने और आरोपित चालक को गिरफ्तार करने का आश्वासन देकर लोगों को शांत करवाया। इसके बाद पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज पाई।

बंथरा क्षेत्र के कल्लनखेड़ा बेंती गांव निवासी मजदूर रामकिशन का बेटा रोहित (19) 10वीं का छात्र था। वह गांव के ही रहने वाले दोस्त शक्तिमान (20) के साथ दिल्ली से आ रहे भाई मोनू को लेने सुबह 4 बजे कानपुर रोड जा रहा था। बनी-मोहान रोड स्थित रामगढ़ी गांव के पास सामने से आ रहे अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिरे और पीछे से आ रही ट्रकों की कतार उन्हें रौंदते हुए निकलती गई। करीब घंटेभर तक दोनों शवों को गाड़ियां कुचलती रहीं।

इस बीच जानकारी पाकर पास के गांव से लोग पहुंचे और गाड़ियों को रुकवाकर शवों को किनारे रखवाया। स्थानीय लोगों ने दोनों युवकों को पहचानकर परिवारीजनों और पुलिस को सूचना दी। घरवाले मौके पर पहुंचे, लेकिन पुलिस नहीं आई। इसपर ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। बवाल की जानकारी पर बंथरा और सरोजनीनगर पुलिस पहुंची तो गांव वाले और आक्रोशित हो गए। भीड़ ने शव को रोड पर रखकर जाम लगा दिया। थोड़ी देर में मोहान रोड पर करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

बीएचयूः फिरोज खान के समर्थन में उतरे छात्र, मायावती बोलीं- मामले को बेवजह तूल दे रही सरकार

लखनऊ/वाराणसी। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में मुस्लिम प्रफेसर फिरोज खान की नियुक्ति को लेकर तकरार के बीच अब उनके समर्थन में कुछ छात्रों ने रैली निकाली। छात्रों ने कहा कि धर्म के आधार पर भेदभाव गलत है। मुस्लिम प्रफेसर की नियुक्ति के विरोध मामले बीएसपी प्रमुख मायावती ने भी सरकार पर निशाना साधा है। मायावती ने कहा कि पीएचडी स्कॉलर फिरोज खान को लेकर विवाद पर सरकार का ढुलमुल रवैया इसे वेवजह बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि टैलंट का मनोबल गिराने वाले किसी काम को इजाजत नहीं देनी चाहिए।

बीएसपी प्रमुख मायावती ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा, 'बनारस हिंदू केंद्रीय विवि में संस्कृत के टीचर के रूप में पीएचडी स्कॉलर फिरोज खान को लेकर विवाद पर शासन/प्रशासन का

ढुलमुल रवैया ही मामले को बेवजह तूल दे रहा है। कुछ लोगों द्वारा शिक्षा को धर्म/जाति की अति-राजनीति से जोड़ने के कारण उपजे इस विवाद को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'बीएचयू द्वारा एक अति-उपयुक्त मुस्लिम संस्कृत विद्वान को अपने शिक्षक के रूप में नियुक्त करना टैलेंट को सही प्रश्रय देना ही माना जाएगा और इस संबंध में मनोबल गिराने वाला कोई भी काम किसी को करने की इजाजत बिल्कुल नहीं दी जानी चाहिए। सरकार इस पर तुरंत समुचित ध्यान दे तो बेहतर होगा।'

एक तरफ जहां संस्कृत विद्या धर्म संकाय के स्टूडेंट प्रफेसर फिरोज खान की नियुक्ति को लेकर पिछले 13 दिनों से धरने पर बैठे हैं वहीं बुधवार शाम को बीएचयू के ही दो छात्र संगठनों ने जॉइंट एक्शन कमिटी के बैनर तले बीएचयू के लंका गेट से रविदास गेट तक मार्च निकाला। इसमें एनएसयूआई और एआईएसए के छात्र शामिल थे।

अपने मार्च में छात्रों ने 'कबीर दास की धरती पर फिरोज खान का स्वागत है', 'महामना की धरती पर फिरोज खान का स्वागत है', रविदास व तुलसीदास के धरती पर फिरोज खान का स्वागत है', और 'महामना की कामना सद्भावना-सद्भावना' के नारे लगाए। छात्रों ने कहा कि भारत जैसे देश में धर्म के आधार पर भेदभाव गलत है। आज भी ये छात्र भारत माता मंदिर पर जॉइंट एक्शन कमिटी और साझा संस्कृति मंच द्वारा फिरोज खान के समर्थन में सर्वधर्म सभा का आयोजन करेंगे।

झगड़ा रोकने आए युवक के सिर में मारा घूंसा, मौत

नई दिल्ली। रोहिणी में एक लड़के की संदिग्ध हालात में हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि झगड़े के दौरान बीच-बचाव कराने आए लड़के के सिर में जोरदार घूंसा लगने से ब्रेन हेमरेज हो गया। इससे उसकी मौत हो गई। मृतक 21 वर्षीय विनय है।

विनय के बड़े भाई सुशील का आरोपी अर्जुन उर्फ लाल से झगड़ा हो रहा था। झगड़ा बढ़ता देखकर विनय बीच-बचाव कराने चले गए थे। आरोप है कि अर्जुन ने विनय के सिर में जोर से घूंसा मार दिया। बेहोशी की हालत में उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी एसडी मिश्रा के मुताबिक, विनय परिवार के साथ रोहिणी सेक्टर-11 में रहते थे। परिवार में बड़ा भाई सुशील व अन्य सदस्य हैं। दोनों एक टेंट हाउस में काम करते हैं। वहीं पर आरोपी अर्जुन भी काम करता है। सोमवार देर रात अर्जुन का सुशील से झगड़ा हो गया। दोनों में मारपीट होने लगी। विनय ने बीच-बचाव कराने की कोशिश की। इसी दौरान अर्जुन ने विनय के सिर पर घूंसा मार दिया।

यूपी होमगार्ड वेतन घोटालाः लखनऊ जिला कमांडेंट गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होमगार्ड वेतन घोटाले से जुड़े मामले में गुरुवार को लखनऊ के जिला कमांडेंट कृपा शंकर पांडे को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही होमगार्ड वेतन घोटाले में अब कार्रवाई तेज हो गई है। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह का कहना है कि इस मामले में जो भी शामिल होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी ओपी सिंह ने बताया, 'कृपा शंकर पांडे के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिले। जिसके बाद गुडंबा के निरीक्षक ने गोमतीनगर थाने में पांडे के खिलाफ अमानत में खयानत, धोखाधड़ी की धाराओं में मामला दर्ज कराया। इस मामले में जो कोई भी शामिल होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इसी क्रम में आज लखनऊ से गिरफ्तारी की गई है। इस मामले में बुधवार को पांच अधिकारियों व कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था।'

डीजीपी ने बताया, 'कमांडेंट कृपा शंकर पांडे ने फर्जी मस्टररोल से गबन किया। राजधानी के सिर्फ एक थाने में दो महीनों में पांच लाख रुपये का घोटाला हुआ। गुडंबा थाने में सिर्फ नौ जवानों को तैनात किया गया और 23 जवानों की तैनाती दिखाकर फर्जी बिल से पैसे ट्रेजरी (कोषागार) से निकाले गए।' इस संबंध में थाना गोमतीनगर में जिला कमांडेंट होमगार्ड कृपा शंकर पांडे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 409, 467, 468 और 471 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया।

जल्द भारत में भी ले सकेंगे मालदीव के वॉटर विला का आनंद!

मालदीव के आलीशान वॉटर विला का आनंद जल्द भारत में भी उठाया जा सकता है। सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग ने पर्यटकों के लिए महंगा टूरिस्ट डेस्टिनेशन डिवेलप करने की योजना बनाई है। आयोग ने इसके लिए 1,500 करोड़ के वॉटर और लैंड विला प्रॉजेक्ट तैयार किए हैं। इन्हें लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार आइलैंड की खाड़ी में बनाया जाएगा।

हमारे पर्यावरण अधिकारी और हमारा पर्यावरण का दफ्तर। हास्य के पात्र है यह बात। अगर यह लोगों ने अपना १०% भी ईमानदारी से काम करने के लिए दिया होता तो आज हमारे देश की यह हालत नहीं होती।

विला बनाने के अलावा दोनों द्वीपों के लिए एयरपोर्ट, समुद्री विमान, हेलिकॉप्टर की बेहतर सुविधा, फ्लोटिंग डॉक जैसे अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी काम किया जाएगा। मामले से वाकिफ अधिकारी ने ईटी को बताया, 'सात बड़ी योजनाओं के लिए बोलियां मंगाई गई हैं। इन प्रॉजेक्ट्स को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत डिवेलप किया जाएगा। हम भारत को बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाना चाहते हैं।'

आयोग ने लक्षद्वीप के मिनिकॉय, सुहेली और कदमत आइलैंड पर बनाए जाने वाले वॉटर विला में 125 कमरे बनाने का प्रस्ताव दिया है। अंडमान और निकोबार के लॉन्ग, एव्स, स्मिथ और शहीद द्वीप आइलैंड के लैंड विला में 460 रूम बनाने की योजना है। अधिकारी ने बताया, 'मॉडल कंसेशन अग्रीमेंट (टउअ) को मंजूरी मिल चुकी है। हम इसी वित्त वर्ष में इन प्रॉजेक्ट्स को शुरू करने की उम्मीद करते हैं।'

योजना के तहत 50-75 वर्ष के कंसेशन पीरियड में किए जाने वाले निवेश पर 30-40 पर्सेंट रिटर्न का अनुमान है। अधिकारी के मुताबिक, आयोग ने पर्यावरण से संबंधित सभी अप्रूवल हासिल कर लिए हैं और इस साल के अंत तक कॉन्ट्रैक्ट सौंपे जा सकते हैं।

गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाली आइलैंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी योजना की प्रगति की निगरानी कर रही है। दूसरे फेज में 17 अतिरिक्त द्वीपों पर योजना का विस्तार किया जाएगा। इनमें से 12 अंडमान और निकोबार और पांच लक्षद्वीप के आइलैंड होंगे। इस योजना के जरिए आयोग प्राइवेट सेक्टर को अच्छा लाभ दिलाने और सरकार के लिए ऊंचा राजस्व इकट्ठा करने की कोशिश कर रहा है। दोनों द्वीपों पर रोजगार बढ़ाने और वहां के लोगों के लिए आय का स्रोत बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
भ्रमण पर जाने से व्यय भार बढ़ सकता है। माता पिता की सेहत की चिंता रहेगी। किसी अजनबी पर विश्वास हानिकारक हो सकता है।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसंगति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

वृष
कार्यों के प्रति उत्साह बना रहेगा। पति पत्नी के बीच मामूली अनबन हो सकती है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी।

कन्या
खानपान नियंत्रित व संतुलित रखें। मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर
क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखें। मित्रों पर आंख बंद कर विश्वास न करें। भूमि भवन के कार्यों के सिलसिले में यात्रा हो सकती है।

मिथुन
भूमि या भवन में निवेश लाभदायक हो सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं।

तुला
आय बढ़ाने हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रह सकती है। आर्थिक पक्ष बेहतर रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ
जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। राजकीय कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों के साथ आमोद प्रमोद में समय व्यतीत होगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है।

कर्क
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। शत्रु की प्रबलता रह सकती है। जरुरी न हो तो निवेश न करें।

वृश्चिक
पैसा आने से पहले ही जाने का रास्ता तैयार रहेगा। आप किसी साजिश का शिकार हो सकते हैं। खानपान पर नियंत्रण रखें।

मीन
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी। माता पिता की सेवा का भाव रहेगा।

क्रिसमस पर नापा वैली में उठाएं बेहतरीन वाइन और सैंटा ट्रेन का लुत्फ

कैलिफॉर्निया की नापा वैली अंगूर की खेती और वाइन के लिए मशहूर है। लेकिन क्रिसमस के दौरान यहां की रौनक देखने लायक होती है, खासकर यहां की फेमस क्रिसमस ट्रेन सैलानियों बीच काफी पॉप्युलर है। नापा वैली की क्रिसमस ट्रेन एक बार फिर सैलानियों के लिए शुरू होने जा रही है। इस ट्रेन का सफर सैलानियों के लिए लाइफ टाइम मेमोरी देने वाली होता है। यह ट्रेन बेहद खूबसूरत नापा वैली से होकर गुजरती है, जो किसी के भी क्रिसमस वकेशन को यादगार बनाने के लिए काफी है। इस ट्रेन पर पूरे परिवार के लिए स्वादिष्ट भोजन के साथ ही कई मजेदार ऐक्टिविटीज भी होती हैं। यह ट्रेन न सिर्फ बच्चों, बल्कि वयस्कों को भी खासी पसंद आएगी। यात्रा के दौरान, सैलानियों को हॉट कोको और फ्रेस बेक्ड कुकीज जैसे कई स्वादिष्ट स्नैक्स और ड्रिंक्स सर्व किए जाते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि ट्रेन का कंडक्टर कोई और नहीं बल्कि खुद सैंटा क्लॉज होंगे! वह अपने दोस्त 'जॉली द बेअर' के साथ ट्रेन पर मौजूद रहेंगे।

जर्नी खत्म होने के बाद बच्चों को 'जॉली द बेअर' का खिलौना भी दिया जाएगा। नापा वैली वाइन ट्रेन के को-सीईओ ने अपने एक बयान में कहा, यह ट्रेन छुट्टियों के मौसम में हमारी वैली में खुशियां लेकर आता है, इसलिए हम स्थानीय लोगों और आगंतुकों का स्वागत करते हैं। इस साल वाइन ट्रेन अपने क्रिसमस को भी खास बनाने के लिए स्थानीय फोस्टर बच्चों को 100 टिकट दान करेगी।

ट्रेन के बारे में डीटेल्स

1. हर दिन दो ट्रेनें चलेंगी। पहली शाम 5 बजे और दूसरी शाम 7 बजे।
2. इन दोनों ट्रेनों की प्रत्येक ट्रिप डेढ़ घंटे की होगी।
3. ट्रेन का किराया सोमवार से शनिवार तक 59.99 डॉलर प्रति व्यक्ति है, जबकि शुक्रवार और शनिवार को यह प्रति व्यक्ति 79.99 डॉलर होगा।
4. नापा वैली वाइन ट्रेन की पार्किंग में मुफ्त पार्किंग उपलब्ध होगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

Imunity बढ़ाने के लिए रोजाना खाएं ये 5 आहार

शरीर में कमजोरी आने से रोगो से लड़ने की शक्ति यानि प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिससे रोग बॉडी पर जल्दी असर करते हैं। कमजोरी के कारण बुखार,खून की कमी,सर्दी-जुखाम जैसी और भी बहुत सी समस्याएं आ जाती हैं। अपने खान-पान में पालक, पपीता, गिलोय आदि शामिल करें इससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होकर बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। आइए जानें कौन से आहार आपके लिए हैं फायदेमंद।

चुकंदर

चुकंदर को ज्यादातर सलाद के तौर पर खाया जाता है। इसमें कुदरती एंटीऑक्सीडेंट और हेमोस्टैटिक गुण पाएं जाते हैं। चुकंदर के 2 चम्चम जूस म 1 गिलास गाजर का जूस मिलाकर पीने से ब्लड प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ते हैं और शरीर की प्रतिरोधी क्षमता भी मजबूत होती है।

गिलोय

खून की कमी को पूरा करने में गिलोय बहुत फायदेमंद है। रोजाना 2 चुटकी गिलोय के पाउडर में 1 चम्मच शहद मिलाकर खाने से ब्लड में प्लेटलेट्स सैल तेजी से बढ़ने लगते हैं। इससे रोगों से लड़ने की शक्ति भी मजबूत होती है। रात को गिलोय की डंडी को पानी में भिगो कर इसे छान कर सुबह पीने से भी फायदा मिलता है।

पालक

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पालक का सेवन करना भी लाभकारी है। हर रोज एक कप पानी में 4-5 पालक के पत्तों को डालकर उबाल लें और ठंड़ा होने पर आधा गिलास टमाटर का रस डालकर पीने से फायदा मिलता है। इसके अलावा पालक और टमाटर का सूप भी पी सकते हैं।

पपीता

पपीता ब्लड के प्लेटलेट्स बढ़ाने में मददगार है। पपीते की पत्तियों का रस पीने या फिर पका पपीता खाना भी लाभकारी होता है।

नारियल पानी

शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर भी कमजोरी आनी शुरू हो जाती है। नारियल पानी पीने से इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा अच्छी हो जाती है और यह कुदरती खनिज पदार्थों का भी बहुत अच्छा स्त्रोत है।

सिर्फ 1 नुस्खे से खुद को रखें प्रदूषण से दूर

मौसम बदल गया है। ठंड के साथ सुबह-शाम कोहरा भी पड़ने लगा है। यह कोहरा हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। कोहरे की वजह से अस्थमा, सर्दी-जुकाम, स्किन प्रॉब्लम जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस प्रदूषण से बचने के लिए कुछ घरेलू तरीके अपनाएं। आज हम आपको एक आसान सा तरीका बताने जा रहे है जिसे अपनाकर आप प्रदूषण से बच सकते है।

ऐलोवेरा से खुद को रखें प्रदूषण से दूर

ऐलोवेरा में एमीनो एसिड और विटामिन 12 भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इससे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह स्किन और बालों के लिए बहुत फायदेमंद है। प्रदूषण से बचने के लिए घर में ऐलोवेरा का पौधा लगाएं। दरअसल, इसका सीधा असर पाचन क्रिया पर पड़ता है। ऐसे में ऐलोवेरा जूस पीएं। इससे कई रोग दूर होंगे। प्रदूषण के कारण हमारी स्किन भी खराब होने लगती है। ऐसे में

ऐलोवेरा के गुदे को त्वचा पर हल्का रगड़ें। इससे त्वचा हाइड्रेट रहेगी। बालों से संबंधित समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए भी ऐलोवेरा फायदेमंद है। हफ्ते में 2 बार नारियल तेल में ऐलोवेरा जैल मिलाकर बालों में लगाएं।

भूलकर भी न करें थ्रेडिंग के बाद ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

हर लड़की आजकल मोटी भौहें की खूबसूरती बढ़ाने के लिए थ्रेडिंग का सहारा लेती है। इसे करवाने के बाद होने वाले दर्द और पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए लड़कियां कुछ गलतिया कर बैठती है। इससे उन्हें बाद में परेशानी का सामना करना पड़ता है। आज हम आपको बताएंगे कि थ्रेडिंग के तुरंत बाद आपको कौन से काम नहीं करने चाहिए।

1. मॉइस्चराइजर

कुछ लड़कियां थ्रेडिंग के बाद भौहों को ऐसे ही रहने देती है। जिससे स्किन में रूखापन आने के कारण जलन और खुजली होने लगती है। ऐसे में थ्रेडिंग के

बाद उस हिस्से को दिनभर मॉइस्चराइजर से मसाज करती रहें।

2. धूप में निकलना

शरीर के किसी भी हिस्से से बाल निकलने पर वो सेंसटिव हो जाता है। ऐसे में थ्रेडिंग के बाद तुंरत धूप में निकलने से एलर्जी और सूजन का खतरा हो सकता है।

3. मेकअप

थ्रेडिंग के बाद कम से कम 24 घंटे तक मेकअप करना चाहिए। इसके तुंरत बाद मेकअप करने से पिंपल्स हो सकते है।

4. उंगलियों से छुना

थ्रेडिंग के बाद उस हिस्से को बार-बार छुने से आपको इंफेक्शन, ब्रेक-आउट्स और खुजली की समस्या हो सकती है।

5. जलन

अक्सर थ्रेडिंग के बाद उस हिस्से पर जलन होने लगती है। ऐसे में आप बार-बार उस हिस्से पर खुजलाने लगते है। इसकी बजाए चेहरे को ठंडे पानी से धोकर एलोवेरा और गुलाब जल को मिक्स करके मसाज करें।

गठिया हो या डायबिटीज कई रोग को दूर करती है नीम

नीम कड़वी जरूर होती है लेकिन सेहत के लिए यह बहुत फायदेमंद होती है। एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-सेप्टिक गुणों से भरपूर नीम का इस्तेमाल दवाइयों और ब्यूटी प्रॉडक्ट में भी किया जाता है। इससे शरीर से जुड़ी बहुत सी परेशानियों से राहत मिलती है। आइए जानें इससे मिलने वाले फायदों के बारे में।

दांत और मसूढ़े

दांतों और मसूढ़ों से जुड़ी परेशानियां नीम का दातुन करने से जल्दी ठीक हो जाती हैं। नीम मुंह में पनप रहे बैक्टिरिया खत्म हो जाते हैं। इससे सांसों में ताजगी,मजबूती और दांत सफेद और चमकदार बनते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद

मधुमेह के रोगी के लिए नीम बहुत फायदेमंद है। रोजाना खाली पेट नीम की 4-5 पत्तियां चबाने से डायबिटीज को कंट्रोल किया जा सकता है।

पेट के कीड़ें

पेट में कुछ समय बाद कीडे पनपने शुरू हो जाते हैं जिससे भूख न लगना,कमजोरी या जरूरत से ज्यादा भूख लगना परंतु खाने का फायदा न होना,मुंह से लार आना आदि। नीम का सेवन करने से इस परेशानी से राहत मिलती है और पेट का दर्द भी ठीक हो जाता है।

गठिया में राहत

गठिया रोग में जोडों में सूजन और दर्द होने से बहुत तकलीफ होती है। नीम के तेल की नियमित मालिश करने से भी जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द में काफी आराम मिलता है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, शुक्रवार
22 नवंबर, 2019

विराट ने भी माना, पिंक बॉल से खेलना होगी चुनौती

कोलकाता। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने पिंक बॉल टेस्ट मैच से एक दिन पहले कहा कि इस गेंद से खेलना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब डे-नाइट फॉर्मेट में टेस्ट मैच खेला जाएगा, इसलिए थोड़ा चुनौती भरा है। भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान में खेला जाएगा।

विराट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'टेस्ट मैच का पहला सेशन थोड़ा मुश्किल होगा। यह देखना होगा कि किस तरह गेंदबाजी होगी, बल्लेबाज किस तरह खेलेंगे।' उन्होंने साथ ही कहा कि एक बार आदत पड़ने के बाद डे-नाइट फॉर्मेट में खेलना नॉर्मल हो सकता है।

विराट ने इस बात पर खुशी जताई कि कोलकाता टेस्ट मैच में बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'लोगों को भी काफी अच्छा लगेगा क्योंकि बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद है।' इससे पहले टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली भी शाम के वक्त में प्रैक्टिस करते नजर आए। उन्हें शमी ने कुछ गेंदें फेंकी।

कैप्टन कोहली ने कहा, 'भारत में एक बड़ा कारक ओस है, आप पहले से नहीं बता सकते कि कब यह आ जाए, कब यह ज्यादा होगी .. ऐसे में अंतिम सेशन में इस पर काफी कुछ निर्भर करेगा।'

कोहली की टेक्निक पर बोला ये तूफानी क्रिकेटर

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर खिलाड़ी आंद्रे रसेल ने कहा है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली एक अद्भुत खिलाड़ी हैं और एक खिलाड़ी के रूप में उन्हें पांच से दस शब्दों में बयां करने की जरूरत है। रसेल ने कहा, 'वह (विराट) एक शानदार खिलाड़ी हैं. एक खिलाड़ी के रूप में उन्हें बयां करने के लिए वास्तव में आपको कभी-कभी एक ही साथ पांच-दस शब्दों की जरूरत पड़ सकती है. वह एक ऐसे ही दृढ़ निश्चयी व्यक्ति हैं.'

क्रिकेट के इतिहास की दुर्लभ घटना- सभी बल्लेबाज '0' पर हो गए आउट

मुंबई। क्रिकेट की दुनिया में कई अजीबोगरीब घटनाएं देखने को मिलती हैं। इसी कड़ी में एक दुर्लभ वाकया तब जुड़ गया, जब एक टीम के सभी खिलाड़ी बिना कोई रन बनाए आउट हो गए। दरअसल, मुंबई के प्रतिष्ठित व-16 टूर्नामेंट हैरिस शील्ड के पहले राउंड के नॉक आउट मैच के दौरान यह अजीब घटना देखने को मिली। हैरिस शील्ड के 126 साल के इतिहास में शायद यह सबसे बेमेल मैच रहा। यह मैच बोरीवली के स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल और अंधेरी के चिल्ड्रन्स वेलफेयर सेंटर स्कूल के बीच खेला गया था। और यह चिल्ड्रन्स वेलफेयर सेंटर स्कूल के बल्लेबाज थे, जो एक भी रन नहीं बना सके, क्योंकि ये सभी शून्य पर आउट हुए।

मजे की बात है कि विपक्षी टीम के गेंदबाजों ने 7 एक्स्ट्रा (छह वाइड और एक बाई) रन दे दिए, यदि ऐसा नहीं होता तो स्कोर बोर्ड पर कोई रन नहीं होता। चिल्ड्रन्स वेलफेयर स्कूल की पूरी टीम सिर्फ छह ओवरों में ढेर हो गई। विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल की ओर से मीडियम पेसर अलोक पाल ने 3 ओवरों में 3 रन देकर 6 विकेट चटकाए। कप्तान वरोद वाजे ने 3 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि दो बल्लेबाज रन आउट हुए।

प्रतिष्ठित स्कूलों में शुमार स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल ने 45 ओवरों में 761/4 रन बनाए, जिसमें उनके वन डाउन बल्लेबाज मीत मायकेर 134 गेंदों पर सात छक्कों और 56 चौकों की मदद से 338 रन बनाकर नाबाद रहे।

चिल्ड्रन्स वेलफेयर स्कूल की टीम को शर्मनाक हार मिली। उसने यह मैच 754 रनों के विशाल अंतर से गंवाया। इसे इंटर स्कूल टूर्नामेंट में सबसे बड़ी हार मानी जा सकती है। भारत के कई पूर्व क्रिकेटर और रणजी खिलाड़ी अपनी किशोरावस्था में इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुके हैं।

आईपीएल में 10 के बजाय 9 टीमों पर विचार कर रहा बोर्ड

गुजरात की हो सकती है फ्रैंचाइजी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अगले साल से 9 टीमें खेल सकती हैं। बीसीसीआई की 2020 से दो नई आईपीएल टीमों के लिए टेंडर की योजना फिलहाल नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोर्ड अगले साल की शुरूआत में सिर्फ एक नई फ्रैंचाइजी लाना चाहता है।

आईपीएल में 10 टीमों के बजाय, साल 2022 तक सिर्फ 9 ही टीमें हो सकती हैं। इसका बड़ा कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पास इस समय 90 से अधिक मैचों की मेजबानी करने के लिए विंडो की कमी है। आईसीसी के फ्यूचर टूर प्रोग्राम (एफटीपी) के कारण, बीसीसीसीआई की ओर से 9 टीमों के आईपीएल टूर्नामेंट को अनुमित मिलेगी जिसमें कुल 76 मैच खेले जाएंगे। इसके लिए मौजूदा विंडो को बढ़ाया जा सकता है। सूत्रों ने कहा, 'जब तक कोई नया एफटीपी 2023 में नहीं आ जाता, तब तक नौ टीमें ही अच्छी तरह टूर्नमेंट में खेल सकती हैं।'

दूसरा बड़ा कारण बीसीसीआई नई फ्रैंचाइजी के लिए 300 मिलियन डॉलर (करीब 2000 करोड़ रुपये) के आसपास के बेस प्राइस पर विचार कर रहा है और फिलहाल यह साफ नहीं है कि एक से अधिक स्थल उस तरह के निवेश को आकर्षित करेंगे या नहीं। सूत्रों ने कहा, 'निवेशक हैं और मुद्दा यह नहीं है लेकिन क्या टेबल पर पर्याप्त खरीदार आते हैं जहां बोली एक प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया हो सकती है? एक फ्रैंचाइजी के लिए? दो के लिए? इस पर देखा जाएगा।' हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, तीसरा कारण अहमदाबाद के मोटेरा में सरदार पटेल स्टेडियम तैयार हो रहा है और मैचों के आयोजन के लिए अगले साल मार्च तक उपलब्ध हो सकता है। 1।1 लाख की क्षमता वाले इस स्टेडियम के लिए, जो दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बन जाएगा, ऐसे में उसकी खुद की फ्रैंचाइजी नहीं होने का मतलब नजर नहीं आता है। आईपीएल के अब तक 12 एडिशन खेले जा चुके हैं। इस साल 8 टीमों ने टूर्नमेंट में हिस्सा लिया था जिसमें चैंपियन मुंबई इंडियंस के अलावा, चेन्नै सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद, कोलकाता नाइटराइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और किंग्स इलेवन पंजाब शामिल हैं।

मनु भाकर ने गोल्ड मेडल पर किया कब्जा

पुतियान (चीन)। भारत की निशानेबाज मनु भाकर ने गुरुवार को कररुह विश्व कप फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। 17 साल की मनु 244।7 के जूनियर विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शीर्ष पर रहीं। इसके साथ ही वह आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली हिना सिद्धू के बाद दूसरी भारतीय निशानेबाज बन गईं। इस स्पर्धा के फाइनल राउंड में भारत की यशस्विनी सिंह देसवाल (158।8) छठे स्थान पर रहीं।

रजत पदक सर्बिया की जोराना अरुनोविक (241।9) ने जीता, जबकि चीन की क्वियान वांग (221।8) ने कांस्य पदक हासिल किया। उधर, पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अभिषेक वर्मा और सौरभ चौधरी ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। क्वालिफिकेशन में अभिषेक वर्मा 588 के साथ टॉप पर रहे, जबकि सौरभ चौधरी (581) सातवें स्थान पर रहे। इससे पहले बुधवार को मनु शूटिंग वर्ल्ड कप फाइनल्स में महिलाओं के 25 मीटर एयर पिस्टल वर्ग में फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थीं। कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मनु ने प्रिसिशन में 292 और रैपिड में 291 स्कोर किया था। उनका क्वालिफायर में कुल स्कोर 583 रहा। मनु और यशस्विनी दोनों ही अगले साल टोक्यो ओलंपिक के लिए 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कोटा हासिल कर चुकी हैं। म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप में चौथे स्थान पर रहने के बाद मनु ने कोटा को जीत था।

भारत के खिलाफ डेविस कप मुकाबले के लिये पाकिस्तानी टीम में सितारे नहीं

नयी दिल्ली। भारत के खिलाफ नूर सुल्तान में होने वाले डेविस कप मुकाबला खेलने से ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान जैसे सीनियर खिलाड़ियों के इनकार के बाद पाकिस्तान को टीम में 17 बरस के दो नये खिलाड़ियों को लेना पड़ा । अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने सुरक्षा चिंताओं के कारण 29 । 30 नवंबर को इस्लामाबाद में होने वाला यह मुकाबला नूर सुल्तान में कराने का फैसला किया है । पाकिस्तान टेनिस महासंघ ने युवा हुजाइफा अब्दुल रहमान और शोएब खान को टीम में लिया है जो जूनियर आईटीएफ रैंकिंग में क्रमशः 446 और 1004वें स्थान पर हैं। उनके अलावा युसूफ खान, अहमद कामिल और अमजद भी टीम में हैं। पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ियों ऐसाम और अकील ने मुकाबला तटस्थ स्थान पर कराने के विरोध में नाम वापिस ले लिया । ऐसे में पीटीएफ के सामने जूनियर खिलाड़ियों को चुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं था । पीटीएफ अध्यक्ष सलीम सैफुल्लाह ने कहा ,ह्यह्य यह अच्छा मुकाबला हो सकता था लेकिन अब हमें जूनियर खिलाड़ी भेजने पड़ रहे हैं । हमारे सीनियर खिलाड़ी डेविस कप खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं । हमारी टीम में 16 । 17 बरस के खिलाड़ी हैं जिन्हें इससे अनुभव मिलेगा । उन्होंने कहा , भारत यह मुकाबला जीतना चाहता था और अब आराम से जीत सकता । रोज सैकड़ों भारतीय पाकिस्तान आ रहे हैं ।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शादी के 21 साल बाद तलाक

अर्जुन रामपाल और मेहर जेसिया का शादी के 21 साल बाद बीते मंगलवार को आधिकारिक रूप से तलाक हो गया। बांद्रा के एक फैमिली कोर्ट ने आपसी सहमति से दोनों के तलाक को मंजूरी दे दी। बता दें, दोनों ने 30 अप्रैल 2019 को कोर्ट में तलाक की अर्जी दी थी जिसे जज शैलजा सावंत ने करीब 6 महीने के बाद स्पेशल मैरेज ऐक्ट के तहत मंजूरी दे दी। उनकी दोनों बेटियां अब मां के साथ बांद्रा स्थित डुप्लेक्स में रहेंगी। फिल्मी दुनिया मे पति पत्नी के मध्य तलाक और पुनर्विवाह कपड़े बदलने की तरह है ,लेकिन इनको आदर्श माननेवाले आम जनता के लिये घातक सिद्ध हो रहा है. दोनों के अलग होने की खबरें सबसे पहले 2011 में सामने आई थीं लेकिन इस बात को उन्होंने 28 मई 2018 को ऑफिशली अनाउंस किया। इस बीच अर्जुन एक अलग 2 बीएचके होम में शिफ्ट हो गए थे। बता दें, इंटरफेथ मैरेज स्पेशल मैरेज ऐक्ट के तरह रजिस्टर्ड होती हैं। अगर आपसी सहमति से तलाक का अनुरोध किया जाता है तो इसके लिए कपल का कोर्ट में अप्रोच करने से पहले एक साल तक अलग रहना जरूरी होता है। गौरतलब है कि अर्जुन को गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स से एक बेटा है जिसका नाम अरिक है। उसका जन्म इसी साल 18 जुलाई को हुआ था। जब अर्जुन से कॉमेंट के लिए कॉन्टैक्ट किया गया तो उन्होंने कहा, मैं इस बारे में क्यों बात करना चाहूंगा? इससे किसी को क्या मतलब? मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता हूं।

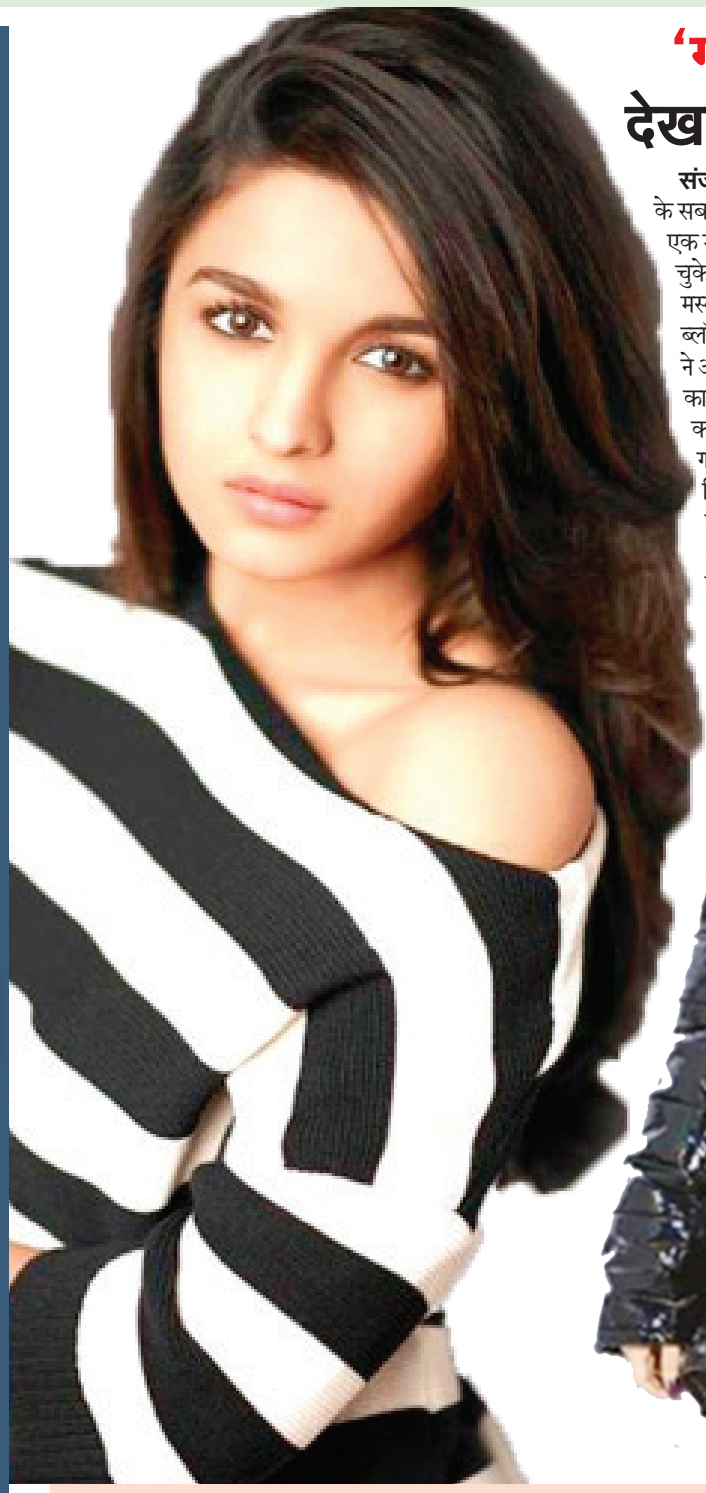

'गंगूबाई काठियावाड़ी' का सेट देखकर आश्चर्य में पड़ गईं आलिया

संजय लीला भंसाली बॉलिवुड के सबसे टैलंटेड डायरेक्टर्स में से एक माने जाते हैं। 'हम दिल दे चुके सनम', 'ब्लैक', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके भंसाली ने अपनी अगली फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' पर काम शुरू कर दिया है। यह फिल्म गंगूबाई कोठेवाली की जिंदगी पर आधारित है जिसमें आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। यह आलिया की पहली फिल्म होगी जिसमें वह भंसाली के साथ काम करने जा रही हैं। भंसाली की फिल्में भव्य सेट्स के लिए जानी जाती हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो 'गंगूबाई काठियावाड़ी' का सेट उनकी पिछली फिल्मों से भी काफी बेहतर है। ऐसे में जब आलिया को फिल्म के सेट देखने का मौका मिला तो वह भी आश्चर्यचकित रह गईं। एक सूत्र ने बताया, आलिया सेट देखकर आश्चर्य में पड़ गईं। गंगूबाई का सेट न सिर्फ लार्जर दैन लाइफ है बल्कि संजय की पिछली फिल्मों से ज्यादा ग्रैंड और खूबसूरत है।

श्रद्धा कपूर ने शेयर की तस्वीर, फैंस ने कहा- 'फायर बेबी'

बॉलिवुड की खूबसूरत ऐक्ट्रेसेज में से एक श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने फैंस के लिए अपने विडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में श्रद्धा कपूर सर्बिया से अपनी फिल्म 'बागी 3' के शेड्यूल से लौटी हैं। श्रद्धा कपूर ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में ऐक्ट्रेस ने लॉन्ग बूट के साथ विंटर कोट पहन रखा है। इस फोटो में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस तस्वीर को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करने के बाद उनके फैंस ने कॉमेंट करना शुरू कर दिया। श्रद्धा कपूर की इस तस्वीर को फैंस ने तरह-तरह के इमोजी के साथ लाइक किया। वहीं, फैंस ने 'हॉटी', 'सेक्सी', 'फायर बेबी' जैसे कॉमेंट किए। श्रद्धा कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह डायरेक्टर रेमो डिसूजा की फिल्म 'स्ट्रीट डांसर 3 डी' में दिखाई देंगी। इसके अलावा वह टाइगर श्रॉफ के साथ बागी फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म में भी नजर आएंगी।